आज का विचार

शब्द और दिमाग से दुनिया जीती जाती है. मगर... दिल तो आज भी दिल से ही जीता जाता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 21 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 121, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हलवारा हवाई अड्डे का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर हो : भगवंत सिंह मान

उड़ानें शुरू होने के बाद पहली बार 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ हलवारा हवाई अड्डे पहुंचे मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
हलवारा

हलवारा एयरपोर्ट से उड़ानों की शुरूआत पंजाब के लिए आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और तरक्की के नए युग की शुरूआत है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दावा किया कि पंजाब सरकार के दृढ़ प्रयासों और वित्तीय प्रतिबद्धता के कारण पूरा हुआ यह लंबे समय से लटकता प्रोजेक्ट पूरे क्षेत्र में व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार को बढ़ावा देगा। उड़ानें शुरू होने के बाद पहली बार 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ एयरपोर्ट टर्मिनल का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों से बातचीत की और कहा कि इस हवाई अड्डे की शुरूआत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और प्रांत में विश्व स्तरीय सुविधाएं लाने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पंजाब सरकार द्वारा हवाई अड्डे के विकास पर लगभग 54.67 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हलवारा से नियमित उड़ानें शुरू होने से न केवल पंजाब के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी, बल्कि प्रांत में औद्योगिक निवेश और व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों और महान संतों की विरासत का सम्मान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अथक प्रयासों के कारण मोहाली एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह और आदमपुर एयरपोर्ट का नाम श्री गुरु रविदास महाराज जी के नाम पर रखे जाने के बाद अब हलवारा एयरपोर्ट का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वे इस

मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे।

हवाई अड्डे के दौरे के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के प्रयासों के कारण यह हवाई अड्डा अब शुरू हो गया है। इस कदम के पीछे एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रांत के लोगों को सुरक्षित, किफायती और आरामदायक हवाई यात्रा की सुविधा मिल सके। उन्होंने आगे कहा, यह हवाई अड्डा इस क्षेत्र के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों के उद्यमियों, व्यापारियों और उद्योगपतियों को पंजाब आने-जाने में मदद करेगा, जिससे व्यापार, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पहले आने वाली मुश्किलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, दिल्ली-एनसीआर के लिए सीधी उड़ानें न होने के कारण लोगों, खासकर उद्योगपतियों को सड़क मार्ग से देश की राजधानी जाने के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इससे न केवल बेकार की परेशानी होती थी, बल्कि समय, पैसे और ऊर्जा का भी बड़ा नुकसान होता था।

उन्होंने आगे कहा, इस हवाई अड्डे के चालू होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी और दुनिया भर के प्रमुख उद्यमी पंजाब में बड़ा निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे। हवाई अड्डे के आर्थिक प्रभाव पर विश्वास जताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह हवाई अड्डा पंजाब में औद्योगीकरण को तेज करने में सहायक के रूप में काम करेगा और प्रांत को सबसे पसंदीदा निवेश स्थान के रूप में और मजबूती से स्थापित करेगा। कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा, यात्रियों की सुविधा के लिए जल्द ही हलवारा हवाई अड्डे से और उड़ानें शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार हलवारा हवाई अड्डे का नाम महान शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखने की मांग को भारत सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से उठाएगी।

25 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित विद्यालयों में श्रमदान होगा अनिवार्य : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी विद्यालयों की शुरूआत, पहले चरण में 250 विद्यालय शुरू

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के स्कूलों में 25 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया। बैठक में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के सुझावों को स्वीकार करते हुए हरियाणा के सरकारी विद्यालयों के पाठ्यक्रम में श्रमदान को अनिवार्य किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों में अनुशासन, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके। शिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्री के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शिक्षक कक्षा में मोबाइल लेकर नहीं जाएंगे। शिक्षकों के मोबाइल विद्यालय में प्रधानाचार्य कक्ष में जमा रहेंगे तथा शिक्षण कार्य के दौरान मोबाइल के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। सीएम ने विद्यालय आधारभूत संरचना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी विद्यालयों की शुरूआत

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं प्रारंभिक अंग्रेजी विद्यालयों की शुरूआत की। वर्ष 2026-27 के बजट घोषणा के अनुरूप पहले चरण में चिन्हित 250 विद्यालयों का शुभारंभ किया गया। इन विद्यालयों को प्रधानमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय और आदर्श विद्यालयों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा । ये विद्यालय हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध होंगे तथा इनमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालयों में आधुनिक संसाधन, बेहतर आधारभूत ढांचा, प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था विकसित की जाएगी। शिक्षकों और प्रधानाचार्यों का चयन स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके।

विद्यालय भवन, आधारभूत संरचना और सुविधाओं को मजबूत करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवनों और आधारभूत संरचना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण शाखा को एकीकृत किया जाए तथा स्कूल भवनों का डिजाइन एकरूपता और गुणवत्ता के आधार पर तैयार किया जाए, जिससे अव्यवस्थित संरचनाओं से बचा जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विद्यालय भवनों को जर्जर अथवा अनुपयोगी घोषित किया गया है, वहां नए भवनों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, बागवानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने खराब एवं अनुपयोगी शौचालयों की शीघ्र मरम्मत तथा नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विद्यालयों की चारदीवारी की मरम्मत को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए कहा तथा स्पष्ट किया कि संबंधित कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रधानाचार्य द्वारा किया जाए तथा संतोषजनक रिपोर्ट के बाद ही भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में प्राथमिक विद्यालय की आवश्यकता है, वहां मांग के अनुसार नए विद्यालय स्थापित किए जाएं।

स्मार्ट कक्षाएं, जवाबदेही और शिक्षकों की व्यवस्था पर जोर

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं को पूरी तरह कार्यशील बनाया जाए तथा जहां तकनीकी अथवा अन्य कारणों से वे संचालित नहीं हो रही हैं, वहां तत्काल सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों ने विद्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं को पूर्ण रूप से कार्यशील दशार्ते हुए गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति भिन्न पाई गई, उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी अथवा अनुपस्थिति की स्थिति है, वहां स्मार्ट कक्षाओं और द्वि-दिशात्मक प्रणाली के माध्यम से लाइव कक्षाएं संचालित की जाएं। साथ ही जहां शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, वहां शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नियमित व्यवस्था होने तक सेवा देने के इच्छुक सेवानिवृत्त शिक्षकों की सेवाएं स्वैच्छिक आधार पर ली जा सकती हैं तथा नियमानुसार मानदेय उपलब्ध कराया जा सकता है। विद्यालयों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने खेल अवधि को अनिवार्य रूप से प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा उसकी समुचित योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय ऐसा वातावरण विकसित करें, जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रत्येक कक्षा बेहतर सीखने का अनुभव प्रदान करती हुई महसूस हो।

मोदी के संसाधनों की बचत और विवेकपूर्ण उपयोग के संदेश को आगे बढ़ाते हुए, केवीआईसी ने विश्व मधुमक्खी दिवस-2026 वर्चुअल माध्यम से मनाया

- **अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने नई दिल्ली से देशभर के केवीआईसी कार्यालयों, मधुमक्खी पालकों, लाभार्थियों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को ऑनलाइन संबोधित किया**
- **केवीआईसी के हनी मिशन के तहत अब तक देशभर में लगभग 2.5 लाख बी-बॉक्स एवं बी-कालोनियों का वितरण किया गया**
- **अध्यक्ष केवीआईसी ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति के विजन ने गांवों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को नई गति दी है; मधुमक्खी पालन आज खेती, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बना**

एजेंसी
नई दिल्ली

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने बुधवार को मुख्यालय, मुंबई के साथ-साथ अपने देशभर के राज्य एवं मंडलीय कार्यालयों तथा केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरटीआई), पुणे में विश्व मधुमक्खी दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया। नई दिल्ली स्थित केवीआईसी के गांधी दर्शन कार्यालय से अध्यक्ष, केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने देशभर के केवीआईसी कार्यालयों, मधुमक्खी पालकों, लाभार्थियों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर सीबीआरटीआई, पुणे में आयोजित हनी प्रदर्शनी का शुभारंभ भी अध्यक्ष, केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने वर्चुअल माध्यम से किया।

इस वर्ष विश्व मधुमक्खी दिवस की थीम के अनुरूप आयोजित कार्यक्रमों में मधुमक्खियों की पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादकता और जैव विविधता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने देशभर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष विश्व मधुमक्खी दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा कम संसाधनों में प्रभावी आयोजन के विजन के अनुरूप वर्चुअल माध्यम से किया गया है।

इससे न केवल अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत में कमी आई, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की सहभागिता भी सुनिश्चित हुई। उन्होंने आगे कहा कि मधुमक्खियां प्रकृति और कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण संरक्षक हैं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति के विजन ने गांवों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को नई गति दी है। आज मधुमक्खी पालन खेती, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

अध्यक्ष केवीआईसी ने आगे कहा कि आज जब पूरी दुनिया मधुमक्खियों के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब भारत ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है, जिसका बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच को जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति मैटरेला से मुलाकात की एआई और अंतरिक्ष समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
रोम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला से मुलाकात की और भारत-इटली संबंधों को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला ने मुलाकात के दौरान भारत-इटली की मजबूत और

स्थायी साझेदारी की पुष्टि की और व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी राष्ट्रपति मैटरेला के साथ व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक संबंधों समेत भारत-इटली मित्रता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया।

भारत को विकसित देश बनने से दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती : राजनाथ

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सियोल में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में कहा कि इन 12 सालों में हुए बदलावों ने देश के लोगों को पक्का भरोसा दिया है कि भारत को विकसित देश बनने से दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती। उन्होंने कोरिया के उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

साउथ कोरिया के रक्षा मंत्री के साथ उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और तकनीकी सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई गई। सियोल में साउथ कोरिया के रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन मंत्री ली योंग-चुल के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बैठक हुई। दोनों मंत्री संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और संयुक्त निर्यात के लिए रास्ते बनाने पर सहमत हुए। दोनों देशों के पारिस्थितिकी तंत्र को एकसाथ लाने के लिए रोडमैप पर चर्चा हुई।

राजनाथ ने सियोल में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष आह्न ग्यू के साथ बैठक में दोनों देशों के रक्षा, रक्षा उद्योग और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने

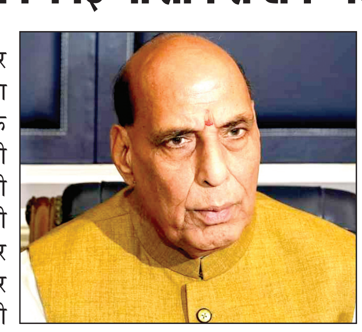

के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और तकनीकी सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई गई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने नेशनल डिफेंस कॉलेज ऑफ इंडिया और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी ऑफ कोरिया के बीच रक्षा साइबर सहयोग को बढ़ावा देने और यूएन पीसकीपिंग कोऑपरेशन पर एग्रीमेंट्स का आदान-प्रदान किया, जिससे भारत-कोरिया के बीच साझेदारी और मजबूत एवं बहुआयामी बनी।

सियोल में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले हमें जो भी चाहिए होता था, हम दूसरे देशों से आयात करते थे। अब हालात बदल गए हैं। पहले भारत विदेशों से हथियारों का आयात करता था, लेकिन आज हम रक्षा निर्यात कर रहे हैं, इसमें वेपन सिस्टम और बाकी सब कुछ शामिल है। हम 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा निर्यात कर रहे हैं।

यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर परियोजना प्रदेश के एआई मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी : योगी आदित्यनाथ

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विषयों, उत्तर प्रदेश डाटा सेण्टर क्लस्टर (यू0पी0डी0सी0सी0), प्रोजेक्ट गंगा तथा गेहूँ के इन-हाउस प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मण्डी शुल्क एवं मण्डी सेस में सम्भावित छूट की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने यू0पी0 डाटा सेण्टर क्लस्टर (यू0पी0डी0सी0सी0) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के ए0आई0 मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। डाटा सेण्टर क्लस्टर केवल एन0सी0आर0 क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा जाए। इसकी शुरूआत बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहाँ बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। टाटा समूह सहित बड़ी टेक कम्पनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेण्टर क्लस्टर, प्रदेश को भारत और ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा ए0आई0 कम्प्यूट पावर सेण्टर बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस, डेटा सेण्टर, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और हाई-टेक डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केन्द्र बनाना है। यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है। इसके तहत वर्ष 2040 तक 05 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था, 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष

रोजगार और 05 गीगावॉट ए0आई0 कम्प्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ष 2040 तक दुनिया की नई अर्थव्यवस्था ए0आई0, क्लाउड, साइबर सिक्योरिटी, सेमीकण्डक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रोबोटिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे फ्यूचर एरेना के इर्द-गिर्द विकसित होगी, जिनका संयुक्त वैश्विक बाजार 29 से 48 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है। भारत के लिए ए0आई0 सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विसेज, क्लाउड सर्विसेज, साइबर सिक्योरिटी, सेमीकण्डक्टर्स, एयरोस्पेस और ई0वी0 जैसे सेक्टर भविष्य के प्रमुख आर्थिक इंजन होंगे।

बैठक में उत्तर प्रदेश की पाँच प्रमुख संरचनात्मक ताकतों-भौगोलिक स्थिति, विशाल भूमि उपलब्धता, बड़ी युवा आबादी, तेजी से विकसित हो रहा इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत नेतृत्व को रेखांकित किया गया। उत्तर प्रदेश का इनलैण्ड लोकेशन इसे समुद्री जोखिमों और चक्रवातों से सुरक्षित बनाता है, जबकि एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर पहले से तेजी से विकसित हो रहे हैं। आई0आई0टी0 कानपुर, एन0आई0टी0 प्रयागराज और 50 से अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों के कारण राज्य में विशाल तकनीकी प्रतिभा उपलब्ध है।

बैठक में उत्तर प्रदेश को एशिया का मोस्ट सिक्योर, स्केलेबल एवं कनेक्टेड इनलैण्ड ए0आई0 टेरिटरी बताया गया। देश के लगभग सभी प्रमुख फाइबर नेटवर्क यू0पी0 से होकर गुजरते हैं और राज्य भारत के सभी समुद्री केबल लैण्डिंग प्वाइण्ट्स से जुड़ा हुआ है। राज्य के भीतर 05 मिलीसेकण्ड से कम लेटेन्सी तथा मुम्बई और चेन्नई जैसे डिजिटल हब तक 5-12 मिलीसेकण्ड कनेक्टिविटी उपलब्ध है। वैश्विक टेक कम्पनियों के लिए यू0पी0 कम लागत, बेहतर स्केलेबिलिटी और अधिक नेटवर्क रिडण्डेंसी वाला आदर्श ए0आई0 इन्फ्रास्ट्रक्चर हब है।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रोजेक्ट गंगा ग्रामीण उत्तर प्रदेश में हाई-स्पीड ब्रॉडबैण्ड नेटवर्क पहुँचाने की महत्वाकांक्षी पहल है। इसका उद्देश्य केवल इण्टरनेट उपलब्ध कराना नहीं बल्कि टेलीमेडिसिन, डिजिटल शिक्षा, स्किल डेवलपमेण्ट, ई-गवर्नेंस, डिजिटल रोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना है। परियोजना के तहत 10 हजार से अधिक युवाओं को डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर (डी0एस0पी0) के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है, जिससे लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और 01 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल की बड़ी उपलब्धि 13वें से सीधे छठे स्थान पर पहुंचा प्रदेश

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह ने परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में लंबी छलांग पर दी बधाई

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश को उसके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्रचेष्टा-2' की विशिष्ट श्रेणी में जगह मिली

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2.0 रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश को देशभर में छठा स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, हिमाचल प्रदेश सात अंकों की छलांग लगाकर 13वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि राज्यों की श्रेणी में हिमाचल प्रदेश तीसरे नम्बर पर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने प्रचेष्टा-2 की प्रतिष्ठित श्रेणी में जगह बनाई है, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। सुक्खू ने कहा कि यह उपलब्धि वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लाए गए विभिन्न सुधारों, गुणात्मक शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और स्कूलों में सुविधाओं के विस्तार के कारण संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार का फोकस सिर्फ बिना बजट और बिना स्टाफ के स्कूल खोलने पर रहा, जबकि कांग्रेस सरकार गुणात्मक शिक्षा पर ध्यान दे रही है, ताकि गांव में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके। राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहती है, ताकि उनमें आत्मविश्वास की कोई कमी न रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली भाजपा सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की अनदेखी की, जिससे प्रदेश में शिक्षा के स्तर में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट के लिए विदेश भेजा जा रहा है, ताकि वे वहां की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन कर प्रदेश के स्कूलों में बेहतर व्यवस्थाएं लागू कर सकें। इसके अलावा मेरिट में आने वाले छात्रों को भी विदेश भ्रमण पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भर रही है, ताकि शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने श्री श्री रविशंकर से की भेंट

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने कर्नाटक प्रवास के दौरान आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर श्री श्री रविशंकर ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती, गौ संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। भेंट के दौरान प्रदेश में स्थित आश्रम की गतिविधियों तथा समाजहित में किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आश्रम को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी, ताकि सेवा और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़े कार्यों को और मजबूती मिल सके।मुख्यमंत्री ने आश्रम में गौसेवा भी की। उन्होंने कहा कि गौसेवा से मन को अद्भुत शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हुई। साथ ही, आश्रम में कार्यरत हिमाचल प्रदेश के लोगों से मिलकर उन्हें अपनेपन का विशेष एहसास हुआ।उन्होंने कहा कि सेवा, साधना और संस्कारों से परिपूर्ण यह दिव्य अनुभव सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इन दिनों दक्षिण भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होने केरलम में मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में भी भाग लियाफ

जॉब सीकर नहीं जॉब मेकर बनें युवा : राज्यपाल

पारंपरिक करियर के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों की ओर भी अग्रसर होना चाहिए: कविंद्र गुप्ता

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि युवाओं को केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब मेकर बनना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है और उन्हें पारंपरिक करियर विकल्पों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों की ओर भी अग्रसर होना चाहिए।

उन्होंने मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा उभरती तकनीकों को भविष्य की अपार संभावनाओं वाले क्षेत्र बताते हुए युवाओं को नवाचार, उद्यमिता एवं कौशल विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने बुधवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा युवा संगम-चरण 6 के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) पुडुचेरी से आए प्रतिनिधिमंडल के स्वागत मौके पर बतौर मुख्यातिथि यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित न रहे, बल्कि समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझे। उन्होंने विद्यार्थियों को समग्र एवं संतुलित व्यक्तित्व विकास की ओर ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, जागरूक और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देने वाला नागरिक बनना है।

इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से आए विद्यार्थियों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता, शिक्षा, पर्यटन, भाषा एवं परंपराओं के आदान-प्रदान को निकटता से अनुभव किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य को सशक्त करने हेतु किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के कुलाधिपति प्रो. हरमोहिंदर बेदी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने युवा संगम की अवधारणा एवं उसके व्यापक सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित है। उन्होंने कहा कि युवा संगम केवल एक शैक्षणिक यात्रा नहीं, बल्कि भावनात्मक एवं सांस्कृतिक एकता का माध्यम है, जो युवाओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है।

कार्यक्रम में कुलाधिपति प्रो. हरमोहिंदर बेदी ने विविधता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक देश में विभिन्न संस्कृतियां, परंपराएं और विचारधाराएं समाज को समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने युवाओं को संवाद, सह-अस्तित्व एवं सांस्कृतिक समन्वय की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

जाने वाली है व्यवस्था पतन की कांग्रेस सरकार : डा. बिन्दल

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही नाहन विधानसभ क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक सरकारी संस्थानों पर ताले जड़े दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बड़ी बेहरमी से इन संस्थानों पर बड़े-बड़े ताले लटका कर जनता के साथ धोखा और विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था पतन की कांग्रेस सरकार जाने वाली है और प्रदेश में भाजपा सरकार आने वाली है। डा. राजीव बिन्दल बुधवार को जिला परिषद के बनकला वार्ड से भाजपा समर्थित प्रत्याशी अंकिता शर्मा के समर्थन में आयोजित विभिन्न बैठकों और जन सम्पर्क के दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान डा. बिन्दल ने धगेड़ा, रामा, सेन की सेर, नावनी जमटा, नेहलीधीड़ा और पंजाहल में चुनाव जन सम्पर्क अभियान में भाग लिया। डा. बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनते ही पंजाहल में भाजपा सरकार में खोली गई पीएचसी को बंद कर दिया गया। हिमाचल के इतिहास की कांग्रेस ऐसी सरकार है जिसने साढ़े तीन साल में एक भी विकास का काम नहीं किया उल्टा सरकारी संस्थानों पर ताले जड़े दिए। उन्होंने कहा कि पीएचसी के बंद होने के कारण धारटी क्षेत्र को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

बसोहली दौरे पर डीसी कठुआ, विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की

कठुआ। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को बसोहली का दौरा कर डाइट बसोहली में आयोजित एक समीक्षा बैठक में मिशन युवा, होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम, जनगणना तैयारियों तथा लोक निर्माण विभाग के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन और उपलब्धियों की जानकारी दी। उपायुक्त ने मिशन युवा के तहत युवाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा पात्र लाभार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए उन्होंने एचएडीपी के अंतर्गत किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं पीडब्लूडी (आर एंड बी) के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनगणना की तैयारियों की भी समीक्षा की गई जहां उपायुक्त ने विभागों के बीच समन्वय बनाकर तय समय में लक्ष्यों को हासिल करने को कहा।

राहुल गांधी की भाषा राजनीतिक हताशा दर्शाती है: अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी की कड़ी निंदा की है।

अनुराग ठाकुर ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि राहुल गांधी की भाषा, मानसिकता और व्यवहार उनकी राजनीतिक हताशा और बिगड़ी परवरिश को दशार्ता है।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में लगातार हार के बाद कांग्रेस नेतृत्व बौखलाहट में मयार्दा भूल चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि आत्ममंथन करने के बजाय कांग्रेस अपशब्दों की राजनीति पर उतर आई है।

उन्होंने कहा कि जब भी देश पर कोई संकट आता है, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े लोग जनता के साथ खड़े दिखाई देते हैं, जबकि राहुल गांधी जैसे नेता कठिन समय में विदेश चले जाते हैं। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हल्की टिप्पणियां राहुल गांधी की राजनीतिक असुरक्षा और घबराहट को दशार्ती हैं।

भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और गांधी परिवार ने संविधान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने संविधान संशोधन कर मीडिया की आवाज दबाने का प्रयास किया था, जबकि इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और संविधान की आत्मा को कुचलने का काम किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी संविधान बचाने की बात करते हैं, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि 1975 में लोकतंत्र की हत्या कांग्रेस शासन में हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के खिलाफ भी कांग्रेस ने राजनीतिक षड्यंत्र रचे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास संविधान, लोकतंत्र और दलित सम्मान के खिलाफ रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

मोगीनंद के समीप शव मिलने से फैली सनसनी पच्छाद के ट्रक ड्राइवर के रूप में हुई शिनाख्त

नाहन। नाहन के औद्योगिक क्षेत्र मोगीनंद के समीप बुधवार उस समय हड़कंप मच गया और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, जब वहां एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। रास्ते से गुजरते लोगों ने जब शव को देखा तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कालाअंब पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुछ ही घंटों में इस शव की शिनाख्त करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मृतक की पहचान 48 वर्षीय धनवीर सिंह ठाकुर, पुत्र धर्म सिंह के रूप में हुई है। वह तहसील पच्छाद के अंतर्गत आने वाले हापी (डाकघर जामन की सैर) के निवासी थे और पेशे से एक ट्रक ड्राइवर थे। पुलिस ने तुरंत मृतक के परिवार वालों को इस दुखद घटना की सूचना दी, जिसके बाद रोते-बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी सिरमौर निश्चित सिंह नेगी ने बताया कि पुलिस टीम ने शव की पहचान कर ली है। उन्होंने शुरूआती जांच के हवाले से बताया कि घटनास्थल के हालातों को देखकर ऐसा लग रहा है कि पैर फिसलने के कारण वह अनियंत्रित होकर अपने आप नीचे गिर गए, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। मौत के असली और सटीक कारणों का साफ पता लगाने के लिए कालाअंब पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

सिधडा में घरों को गिराने की कार्रवाई के मामले में जम्मू-कश्मीर सरकार ने समिति का किया गठन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जम्मू के सिधडा के रायका बांदी क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के घरों को गिराए जाने के संबंध में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के कथित उल्लंघन की जांच के लिए एक तथ्य-जांच समिति का गठन किया है। जनजातीय मामलों के विभाग द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार मामले की जांच करने और सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए दो सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दे दी गई है। समिति में जम्मू-कश्मीर के जनजातीय मामलों के निदेशक मोहम्मद मुमताज अली और जनजातीय मामलों के निदेशालय के सहायक निदेशक मुजमिल हसन चौधरी शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि समिति रायका बांदी (सिधडा), जम्मू में आदिवासी परिवारों के घरों को हाल ही में गिराए जाने के संबंध में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के किसी भी उल्लंघन की जांच करेगी। वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारियों द्वारा चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के बाद व्यापक आलोचना और विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है जिसके दौरान कई ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया था। इस विध्वंस अभियान ने गुर्जर-बकरवाल समुदाय के सदस्यों और राजनीतिक नेताओं में आक्रोश पैदा कर दिया था जिन्होंने आरोप लगाया था कि यह कार्रवाई बिना पूर्व सूचना के और आदिवासी अधिकारों का उल्लंघन करते हुए की गई थी। यह आदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के निदेर्शों के तहत जनजातीय मामलों के विभाग द्वारा जारी किया गया है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में हिमाचल में बंद रहीं मेडिकल दुकानें, लोगों को हुई परेशानी

शिमला। ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री और दवाओं पर भारी छूट दिए जाने के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स द्वारा बुलाए गए देशव्यापी बंद का असर बुधवार को हिमाचल प्रदेश में भी देखने को मिला। राज्य के कई जिलों में मेडिकल दुकानें बंद रहीं, जिसके कारण लोगों को दवाइयां लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह मरीजों और उनके परिजनों को जरूरी दवाइयों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा।मेडिकल एंड ड्रगिस्ट सोसाइटी हिमाचल के अध्यक्ष संजीव पंडित ने कहा कि ऑनलाइन फामेर्सी के तेजी से बढ़ते कारोबार से पारंपरिक मेडिकल स्टोर संचालकों का व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिना उचित निगरानी और नियमों के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है।उन्होंने कहा कि दवाइयों की बिक्री केवल पंजीकृत मेडिकल स्टोर से ही होनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीजों को सही दवाइयां और उचित सलाह मिल सके। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन फामेर्सी पर सख्त नियमन लागू करने की मांग की। इसके साथ ही दवाओं पर भारी डिस्काउंट और अवैध बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग उठाई गई।

चेक बाउंस मामले में आरोपी को 6 महीने की कैद, 9 लाख जुमार्ना की सजा

मंडी। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कोर्ट नंबर तीन मंडी की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले का निपटारा करते हुए आरोपी को 6 महीने की कैद व 9 लाख रूपए जुमार्ना भरने की सजा सुनाई। राम हरी ऑटो प्रा. लि. गुटकर मंडी ने अपने वकील महेश चोपड़ा के माध्यम से गोपाल कृष्ण पुत्र परमा नंद सैणी गांव सिंहन गागल बल्ह जिला मंडी के खिलाफ न्यायालय में याचिका दायर की थी। यह मामला 2013-14 का था जिसमें दोनों के बीच कोई समझौता हुआ था।गोपाल ने राम हरी ऑटो को भारतीय स्टेट बैंक नेरचौक शाखा का एक चेक 20 मई 2014 को 5 लाख की राशि का जारी किया जो कलेक्शन के दौरान बाउंस हो गया। बार बार आग्रह करने पर भी जब इसकी अदायगी नहीं हुई तो मामला नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 के तहत अदालत में दायर किया गया। राम हरी ऑटो की ओर से इस 324/2015 केस की पैरवी करते हुए वकील महेश चोपड़ा ने आरोपी के खिलाफ जो तथ्य रखे, न्यायिक दंडाधिकारी कर्म प्रताप सिंह ठाकुर ने सही पाया और आरोपी को 9 लाख का जुमार्ना भरने व 6 महीने कैद की सजा सुनाई। आरोपी की सजा को 30 दिन के लिए सस्पेंड करते हुए ऊपरी अदालत में जाने का विकल्प खुला रखा तथा व्यक्तिगत बांड पर जमानत दे दी।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उपराज्यपाल ने नए रंगरूटों से मातृभूमि की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने और इस बल की गौरवशाली विरासत को मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हमें निरंतर सतर्क और सावधान रहना चाहिए। कानून-व्यवस्था के खतरों और आतंकवाद का स्वरूप बदल गया है, जिसके लिए निरंतर, अटूट सतर्कता और खुलेआम छिपे खतरों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। उपराज्यपाल ने कहा कि नए भर्ती हुए पुलिसकर्मियों को एक टीम के रूप में काम करना चाहिए, क्योंकि जम्मू कश्मीर जिन खतरों का सामना कर रहा है। उनके लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग आवश्यक है। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर को भय और आतंकवाद से मुक्त करने के लिए सभी को दृढ़ संकल्प और दक्षता के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अपने आप नहीं पनपता, इसके लिए धन, नेटवर्क और समर्थन प्रणालियों की आवश्यकता होती है। कानून की पूरी ताकत का इस्तेमाल करते हुए हमें वित्तपोषण के स्रोतों का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना होगा। हमें हर नेटवर्क की पहचान करनी होगी और हर समर्थन प्रणाली को पूरी तरह से नष्ट करना होगा। उपराज्यपाल ने यह भी चेतावनी दी कि आधुनिक उपकरणों के साथ-साथ पुलिस बल को बुनियादी पुलिसिंग के कौशल को भी अपनाना चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा कि सभी नए भर्ती हुए जवान इस गौरवशाली विरासत के उत्तराधिकारी हैं और वे इसे और समृद्ध करेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की हर वर्दी साहस, प्रतिबद्धता और उद्देश्य की कहानी बयां करती है, जो राष्ट्र के इतिहास में रची-बसी है। उपराज्यपाल ने चल रहे नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के दौरान मादक पदार्थों के तस्करों और दलालों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की भी सराहना की।

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने ईंधन संरक्षण वर्चुअल सुनवाई को अपनाया और एलटीसी को किया निलंबित

जम्मू । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने देशव्यापी आर्थिक आत्मरक्षा के आह्वान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताओं के मद्देनजर कई प्रशासनिक निर्देश जारी किए हैं जिनमें वर्चुअल सुनवाई को प्रोत्साहित करना, अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) सुविधाओं को निलंबित करना और आधिकारिक गतिविधियों को ऑनलाइन स्थानांतरित करना शामिल है। श्रीनगर स्थित रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार ये उपाय अगले आदेश तक लागू रहेंगे। परिपत्र में कहा गया है कि 21 मई, 2026 से उच्च न्यायालय ऑनलाइन कार्यवाही के लिए निर्धारित शिष्टाचार और प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वर्चुअल सुनवाई और अधिवक्ताओं की वर्चुअल उपस्थिति को प्रोत्साहित करेगा। इसमें आगे कहा गया है कि 8 जून, 2026 से शुरू होने वाली अदालती अवकाश अवधि के दौरान मनोनीत अवकाश पीठें वर्चुअल माध्यम से मामलों की सुनवाई करेंगी। हालांकि अपरिहार्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेने में असमर्थ अधिवक्ता अदालतों के भौतिक रूप से कार्य करने पर शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकते हैं।

पाकिस्तान बॉर्डर से हिमाचल पहुंच रहा चिट्टा, शिमला पुलिस ने दबोचा सप्लॉयर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान शिमला पुलिस ने पंजाब के भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे इलाके से हिमाचल तक पहुंच रहे चिट्टा नेटवर्क का खुलासा किया है।

पुलिस ने इस मामले में पंजाब के फिरोजपुर जिले के रहने वाले 22 वर्षीय आकाशदीप उर्फ आकाश को गिरफ्तार किया है, जिसे जलालाबाद, जिला फाजिल्का से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक फिरोजपुर जिला भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटा हुआ इलाका है और जांच में सामने आया है कि वहीं से चिट्टे की सप्लाई हिमाचल तक पहुंच रही थी। यह मामला पुलिस थाना सदर शिमला में 9 मई को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इस मामले में पुलिस ने पंजाब के फिरोजपुर निवासी 26 वर्षीय निशान सिंह और कपूरथला निवासी 23 वर्षीय गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 10.300 ग्राम चिट्टा यानी हेरोइन बरामद हुई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों से गहन पूछताछ की और डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल डाटा तथा वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण किया। जांच में चिट्टे की खेप के मुख्य सप्लॉयर की पहचान आकाशदीप उर्फ आकाश के रूप में हुई। इसके बाद मंगलवार को सदर शिमला पुलिस ने पंजाब पुलिस के सहयोग से ऑपरेशन चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसी अभियान के तहत शिमला पुलिस ने एक अन्य मामले में उत्तर प्रदेश के लखनऊ से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

शिमला में कूड़े के ढेर, सड़कों पर बंदरों-कुत्तों का जमावड़ा, 40 सफाई कर्मचारी बर्खास्त

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला इन दिनों सिर्फ गर्मी या पर्यटन की वजह से चर्चा में नहीं है। शहर की सड़कों, बाजारों और गलियों में फैले कूड़े के ढेर अब लोगों की परेशानी बन गए हैं। छह दिन से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच नगर निगम ने 40 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इसके बाद टकराव और बढ़ता दिखाई दे रहा है।

शिमला में सुबह-सुबह घर-घर से कूड़ा उठाने वाले सैहब सोसायटी के सफाई कर्मी नहीं पहुंच रहे। मॉल रोड, रिज, लोअर बाजार, संजौली, लक्कड़ बाजार, छोटा शिमला और टूटीकंडी जैसे इलाकों में कूड़ा जमा होता जा रहा है। कई जगहों पर बदबू फैलने लगी है और कूड़े के ढेरों के आसपास बंदरों और आवारा कुत्तों की आवाजाही बढ़ गई है। पर्यटक भी शहर की इस हालत को देखकर हैरानी जता रहे हैं। करीब 32 किलोमीटर के दायरे में फैले शिमला शहर में पिछले छह दिनों से डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन लगभग ठप पड़ा है। सैहब सोसाइटी से जुड़े करीब 800 सफाई कर्मचारी 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन बढ़ोतरी बहाल करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों का कहना है कि साल की शुरूआत में उनकी वेतन वृद्धि रोक दी गई थी और 12 हजार रुपये महीने में परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।इसी बीच जिला प्रशासन ने सफाई व्यवस्था को जरूरी सेवा मानते हुए एस्मा लागू कर रखा है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि इसके बावजूद कर्मचारी काम पर नहीं लौटे, जिसके बाद 40 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का फैसला लिया गया। नगर निगम शिमला के आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने हड़ताली लगभग 40 कर्मचारियों की बर्खास्तगी की पुष्टि की है।

मौसम | **शिमला ही नहीं, मनाली और कल्पा जैसे हिल स्टेशनों में भी बढ़ा तापमान**

हिमाचल में लू और गर्म रातों का डबल अटैक

प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों तक गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि जहां ऊना और निचले क्षेत्रों में लू चल रही है, वहीं राजधानी शिमला की रातें भी अब मैदानों जैसी गर्म महसूस होने लगी हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर चल रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से काफी ज्यादा दर्ज किया जा रहा है।

बीते 24 घण्टों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जहां लू की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए भी कुछ मैदानी और निचले इलाकों में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। लगातार बढ़ती गर्मी से लोग परेशान हैं और दोपहर के समय सड़कों और बाजारों में आवाजाही कम हो रही है। कई इलाकों में लोगों को रात के समय भी गर्म हवाओं से राहत नहीं मिल रही। राजधानी शिमला में इस बार मई महीने में असामान्य गर्मी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक शिमला का न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा है। पहाड़ी शहर में रात का तापमान 20 डिग्री पार पहुंचना लोगों को हैरान कर रहा है। इससे पहले मंगलवार को शिमला का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। इस तरह पर्यटक स्थलों पर भी गर्मी का असर दिखाई दे रहा है और लोग दिन के समय छांव और ठंडी जगहों की तलाश करते नजर आ रहे हैं। सिर्फ शिमला ही नहीं, मनाली और कल्पा जैसे हिल स्टेशनों में भी तापमान बढ़ा है। मनाली का न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री और कल्पा का 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धर्मशाला, पालमपुर और सोलन जैसे शहरों में भी रात का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। हालांकि गर्मी से परेशान लोगों के लिए मौसम विभाग ने कुछ राहत की उम्मीद जताई है। विभाग के अनुसार 21 मई से 23 मई के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम बदल सकता है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। 24 मई से 26 मई तक भी प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। बीते 24 घंटों में भुंतर में 19.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सांगला में हल्की वर्षा हुई। इसके बावजूद अधिकांश इलाकों में गर्मी का असर कायम है। प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

हरियाणा श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति की ओर अग्रसर, 2030 तक 15,500 मीट्रिक टन शहद उत्पादन का लक्ष्य: नायब सैनी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला मे विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मधुमक्खी पालकों को किया संबोधित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति के आहवान पर आगे बढते हुए मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन नीति बनाई । इस नीति के तहत वर्ष 2030 तक मधुमक्खी पालकों की संख्या बढ़ाकर 7 हजार 750 करने और शहद उत्पादन 15 हजार 500 मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री आज सैक्टर-1 स्थित रेड बिशप कनवेंशन सैंटर में हरियाणा उद्यान विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एंव किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए मधुमक्खी पालकों द्वारा शहद और शहद से बने उत्पादों के स्टालस का अवलोकन किया और उनमें गहरी रूचि दिखाई।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विश्व मधुमक्खी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार मधुमक्खी पालन को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी के बक्सों, कॉलोनियों और उपकरणों पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध करवा रहे हैं। उन्होने बताया कि मधुमक्खी पालन से जुडे किसानों को अनिश्चितता और बाजार के उतार-चढाव से राहत दिलाते हुए हरियाणा सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को भी भावांतर भरपाई योजना में शामिल किया गया है। इस योजना के तहत शहद का, संरक्षित मूल्य 120 रुपये किलो तय किया गया है। इससे अब किसान को नुकसान होने का डर नहीं रहता और उन्हें एक निश्चित आय की गारंटी मिली है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 30 किसानों के खातों में भावांतर भरपाई योजना के तहत 1 करोड़ 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की। उन्होने बताया कि इसके अलावा मधुमक्खी पालकों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल करने

का निर्णय लिया है। उन्होने बताया कि नेशनल मधुक्रांति पोर्टल पर हरियाणा के 3 हजार से अधिक मधुमक्खी पालक रजिस्टर्ड हैं। मधुमक्खी पालकों के रजिस्ट्रेशन करवाने में हरियाणा राज्य प्रथम स्थान पर है।

उन्होने कहा कि विश्व मधुमक्खी दिवस एक छोटे से जीव को लेकर मनाया जा रहा दिन है। लेकिन यह धरती पर जीवन को बचाने के लिए किया जा रहा एक महान प्रयास है। हमारे वैज्ञानिक पूरी मानव जाति को बार-बार चेताते आ रहे हैं कि यदि मधुमक्खियां खत्म हो गई तो जीवन भी खतरे में आ जाएगा। पूरी दुनिया को इसी बात के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। हमारे वेदों, पुराणों और भारतीय संस्कृति में भी मधु और मधुमक्खियों का विशेष महत्व बताया गया है। ऋग्वेद में मधु को समृद्धि, शुद्धता और स्वास्थ्य का प्रतीक माना गया है। मधुमक्खियां केवल प्रकृति की संरक्षक नही है बल्कि ये कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ भी हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब मधुमक्खियों का महत्व और अधिक बढ़ गया है। लेकिन चिंता की विषय है कि आज मधुमक्खियां खतरे में है। कीटनाशकों का प्रयोग, प्रदूषण, जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के कारण इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। उन्होने किसानों से आहवान करते हुए कहा कि वे सरसों, सूरजमुखी, कपास, बरसीम और विभिन्न फलों व सब्जियों की खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन भी करें। इससे शहद उत्पादन के साथ-साथ मधुमक्खियों द्वारा पर-परागण करने से फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी होगी। उन्होने कहा कि मधुमक्खियों का महत्व केवल खेती तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान समय में मधुमक्खी पालन रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बन चुका है। कम लागत, कम जमीन और कम संसाधनों में शुरू होने वाला यह व्यवसाय लाखों लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है। मधुमक्खी हमें शहद के अलावा रॉयल जेली, बी-वैक्स, प्रोपोलिस, बी-पॉलेन और बी-वेनम जैसे कई बहुमूल्य उत्पाद भी देती है। इनकी बाजार में, विशेषकर फार्मा और कॉस्मेटिक उद्योगों में भारी मांग है। इन उत्पादों का मूल्य शहद से कई गुणा अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की ज्यादातर भूमि खेती के अधीन है। इसी कारण हमारे यहां जंगलों और बागों की कमी है। फिर भी प्रदेश के प्रगतिशील किसानों ने नेशनल बीकीपिंग एंड हनी मिशन में महत्वपूर्ण योगदान किया है। हरियाणा में लगभग 5 हजार मीट्रिक टन शहद उत्पादन होता है। उन्होने कहा कि हमने मधुमक्खी पालन सहित बागवानी को कृषि विविधिकरण का एक प्रमुख स्तंभ बनाया है। प्रदेश में वर्ष 2014 में कुल बागवानी क्षेत्र 1 लाख 17 हजार एकड़ था, जो आज बढ़कर दोगुणा से भी अधिक यानी 2 लाख 73 हजार एकड़ हो गया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज भूमि जोत छोटी होती जा रही है। इसलिए, किसान मधुमक्खी पालन करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। यह ऐसा व्यवसाय है, जिसमें कम जमीन की आवश्यकता होती है। भूमिहीन, कम पढ़े-लिखे, अनपढ़, यहां तक महिलाएं भी प्रशिक्षण लेकर इस व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला सकती हैं। कई राज्यों में महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से शहद उत्पादन और विपणन कर रही हैं। हरियाणा में भी युवा स्टार्टअप के रूप में हनी ब्रांड लांच करके न केवल अपनी कमाई बढ़ा सकते हैं, बल्कि प्रदेश की पहचान भी बना सकते हैं। इसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा वितिय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि हरियाणा को हनी हब बनाया जाए। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, नवनिर्वाचित मेयर श्री श्याम लाल बंसल, कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ रणबीर सिंह, बागवानी विभाग के एचओडी (विशेष) डॉ अर्जुन सैनी, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बीआर कंबोज, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री वीरेद्रं बढखालसा, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे सहित प्रदेशभर से आए मधुमक्खी पालक और विशेषज्ञ शामिल थे।

जे.सी.बोस विश्वविद्यालय में 'ग्राफिक डिजाइन और ब्रांडिंग में जनरेटिव एआई' पर कार्यशाला

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए ह्लग्राफिक डिजाइन, ब्रांडिंग और विज्ञापन में जनरेटिव एआई' विषय पर एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उभरती हुई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक और रचनात्मक क्षेत्र में इसके प्रभावी उपयोग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. अभिजीत कुमार मोहंती ने विद्यार्थियों को एआई की विकसित होती दुनिया से परिचित कराते हुए इस बात पर जोर दिया कि एआई का उपयोग 'निर्भरता' के बजाय 'रचनात्मकता' के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में एआई मानव कौशल को बदलने के लिए नहीं, बल्कि उसे बढ़ाने और निखारने के लिए आया है।

डॉ. मोहंती ने इंटरएक्टिव सत्र के माध्यम से छात्रों को समझाया कि कैसे एआई का उपयोग ब्रेनस्टॉर्मिंग (विचार-मंथन), वर्कफ्लो में सुधार और नवीन विचारों को उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे पहले अपनी क्षमताओं, रुचियों और विजन (दृष्टिकोण) को समझें और फिर एआई को एक 'स्मार्ट असिस्टेंट' की तरह उपयोग कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें।

कार्यशाला के दौरान छात्रों ने प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। जिसमें एआई के माध्यम से प्रभावी ब्रांडिंग रणनीतियां तैयार करना। एआई टूल्स की मदद से प्रभावशाली कंटेंट और दृश्य तैयार करना। जटिल डिजाइन और विज्ञापन संबंधी चुनौतियों के लिए एआई का सहयोग लेना।

यूआईडीएआई ने हरियाणा में आधार सेवाओं का विस्तार किया, गुरुग्राम में नया आधार सेवा केंद्र शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने हरियाणा में अपनी सेवा वितरण व्यवस्था को और सुदृढ़ करते हुए गुरुग्राम में एक नए आधार सेवा केंद्र (एएसके) का शुभारंभ किया है। यह केंद्र प्लॉट नंबर 804, प्रथम तल, सरस्वती विहार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, चक्करपुर मेन मार्केट रोड, चक्करपुर विलेज, सेक्टर-12, गुरुग्राम झ 122002, हरियाणा में स्थित है। केंद्र का उद्घाटन आज निदेशक कर्नल हरमीत सिंह कपूर द्वारा किया गया।

नव स्थापित आधार सेवा केंद्र का उद्देश्य नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं अधिक सुगमता, दक्षता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराना है। यहां निवासी आधार नामांकन, नाम, पता एवं जन्म तिथि जैसे जनसांख्यिकीय विवरणों में संशोधन के साथ-साथ बायोमेट्रिक अपडेट की सेवाएं भी प्राप्त कर सकेंगे।

इस नए केंद्र के शुरू होने से विशेष रूप से आसपास के कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी, क्योंकि उन्हें अब आधार सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। केंद्र में आधुनिक अवसंरचना, प्रशिक्षित कर्मियों एवं सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की व्यवस्था की गई है, ताकि नागरिकों को न्यूनतम प्रतीक्षा समय में बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त हो सके।

यूआईडीएआई के अनुसार, इस आधार सेवा केंद्र की स्थापना से मौजूदा केंद्रों पर भीड़ कम होगी, अनुरोधों का त्वरित निपटान सुनिश्चित होगा तथा आधार सेवाओं की समग्र गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इसके साथ ही सेवाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह केंद्र वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं दिव्यांगजनों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए आधार सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर पहुंच से अधिक निवासी अपने आधार विवरण समय-समय पर अद्यतन रख सकेंगे, जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी एवं वित्तीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी।

यूआईडीएआई ने हरियाणा के निवासियों से अपील की है कि वे नामांकन एवं अपडेट संबंधी आवश्यकताओं के लिए इस आधार सेवा केंद्र का उपयोग करें। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे आवश्यक वैध दस्तावेज साथ लेकर आएं अथवा सुविधा हेतु ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करें। अधिक जानकारी के लिए निवासी यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट अथवा अपने निकटतम आधार सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

अतिरिक्त निदेशक वर्षा खांगवाल को दी भावभीनी विदाई, झज्जर उपायुक्त नियुक्त होने पर दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़। हरियाणा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल के झज्जर के उपायुक्त पद पर नियुक्त होने के उपरांत आज विभाग की ओर से उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। विभाग के महानिदेशक श्री केएम पांडुरंग ने उन्हें सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यकाल को सराहनीय बताया। श्रीमती वर्षा खांगवाल ने 2 जनवरी 2004 को हरियाणा सरकार में एचसीएस अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं आरंभ की थीं तथा वे एचसीएस बैच 2003 की टॉपर रही। विभिन्न विभागों में अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने अपनी कार्यशैली, प्रशासनिक दक्षता और समर्पण से विशेष पहचान बनाई। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में उन्होंने 23 अगस्त 2010 से 31 दिसंबर 2014 तक संयुक्त निदेशक (प्रशासन) के पद पर सेवाएं दीं। इसके बाद वे 24 मार्च 2020 से 27 दिसंबर 2022 तक तथा पुनः 24 जुलाई 2024 से 18 मई 2026 तक अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) के पद पर कार्यरत रहीं।

9वीं व 11वीं कक्षा के छात्र/छात्राओं के वार्षिक परीक्षा के अंक ऑनलाइन अपलोड करने की शिक्षा बोर्ड ने बढ़ाई तिथि

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से सम्बद्धता प्राप्त सभी राजकीय/अराजकीय विद्यालय/गुरूकुलों/विद्यापीठों द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 9वीं व 11वीं के छात्र/छात्राओं के वार्षिक परीक्षा के अंक ऑनलाइन अपलोड करने की अंतिम तिथि 20 मई से अब बढ़ाकर 07 जुलाई, 2026 कर दिया गया है। ऐसे विद्यालय जिन द्वारा कक्षा 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा के अंक ऑनलाइन अपलोड नहीं किए हैं वे 7 जुलाई, 2026 तक अंक अपलोड कर सकते हैं। बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सभी संबंधित संस्थाएं बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर आई हैं.डी./पासवर्ड से लॉगिन करते हुए समय रहते अंक अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि यदि किसी विद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में छात्र/छात्राओं के अंक अपलोड नहीं किए जाते हैं, तो ऐसे छात्र/छात्राओं को बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की आगामी वार्षिक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि किसी भी तकनीकी कठिनाई के लिए दूरभाष नं 01664-254300, 254302 पर किसी भी कार्यदिवस में 09:00 बजे से 05:00 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त एनरोलमेंट शाखा की ई-मेल आई.डी. के माध्यम से किसी भी कार्यदिवस में संपर्क कर सकते हैं।

आईजीयू में यूजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

चंडीगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर-रेवाड़ी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में संचालित विभिन्न स्नातक एवं एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 मई 2026 से प्रारंभ होगी तथा अभ्यर्थी 10 जून 2026 रात्रि 11:59 बजे तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ६६६.४ूल्ल पर आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता के अनुसार इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी एवं आधुनिक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रवेश हेतु एम.कॉम 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, एमबीए 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, बीएचएमसीटी (होटल एवं पर्यटन प्रबंधन), बी.एससी. (ऑनर्स/रिसर्च) गणित, बी.एससी. (ऑनर्स/रिसर्च) रसायन विज्ञान, बीए डिफेंस स्टडीज, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (बीजेएमसी), बीटेक सीएसई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग), बैचलर ऑफ फिजिकल साइंसेज तथा बैचलर ऑफ लाइफ साइंसेज जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध रहेंगे। अधिकांश पाठ्यक्रमों में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं, जबकि बीए डिफेंस स्टडीज एवं बीजेएमसी में 30-30 सीटें उपलब्ध होंगी। विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण एवं काउंसलिंग शुल्क 1500 रुपये निर्धारित किया गया है, वहीं हरियाणा के एससी, बीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) एवं दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 750 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रवेश के लिए पात्रता संबंधी मानदंड भी निर्धारित किए गए हैं। अधिकांश पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का 12वीं कक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक (हरियाणा के एससी/एसटी/दिव्यांग अभ्यर्थियों हेतु 47.5 प्रतिशत) के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। बीटेक सीएसई (एआई एवं एमएल) कार्यक्रम के लिए अभ्यर्थियों के पास फिजिक्स एवं मैथ्स अनिवार्य विषय होने चाहिए तथा जेईई मेन्स स्कोर भी आवश्यक रहेगा। प्रवक्ता ने बताया कि प्रवेश पूरी तरह शैक्षणिक मेरिट के आधार पर किए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के लिए सीटों का विस्तृत वर्गीकरण भी जारी किया है। विभिन्न विषयों में उपलब्ध सीटों के विवरण, पात्रता एवं फीस के संबंध में विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बीटेक सीएसई (एआई एवं एमएल) कार्यक्रम में प्रवेश हरियाणा स्टेट टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी (ल्ल्रळएर) के माध्यम से किए जाएंगे। बीटेक कार्यक्रम हेतु ऑनलाइन पंजीकरण 15 मई 2026 से प्रारंभ होकर 18 जून 2026 तक चलेगा। प्रवेश जेईई मेन्स-2026 की ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होंगे। इसी प्रकार बी.फामेर्सी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 8 जून 2026 निर्धारित की गई है। बी.फामेर्सी में प्रवेश ल्ल्रळएर द्वारा आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होंगे। इन कार्यक्रमों से संबंधित विस्तृत जानकारी पर उपलब्ध रहेगी। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार काउंसलिंग कार्यक्रम बाद में विश्वविद्यालय की वेबसाइट के एडमिशन पोर्टल पर जारी किया जाएगा।

अनुबंध कर्मियों से जुड़े मामलों का होगा तेजी से समाधान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा सरकार ने गठित की समन्वय शिकायत निवारण समिति
- एचकेआरएन के पोर्टल पर दर्ज होंगी शिकायतें

हरियाणा सरकार ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से लगे अनुबंध कर्मियों से संबंधित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान तथा अनावश्यक न्यायिक विवादों को कम करने के उद्देश्य से एक समन्वय शिकायत निवारण समिति का गठन किया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है।

यह समिति रोजगार सुरक्षा कानून, अनुबंध नियुक्तियों, पात्रता विवादों, सेवा सत्यापन तथा एचकेआरएन से संबंधित अन्य मामलों की समीक्षा करेगी और विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रशासनिक स्तर पर समाधान सुनिश्चित करेगी। एचकेआरएन के महाप्रबंधक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा मानव संसाधन विभाग में एचकेआरएन/जॉब सुरक्षा मामलों को डील करने वाले अधीक्षक, वित्त विभाग में सम्बन्धित अधीक्षक, क्रिड विभाग में आईटी हैड तथा हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक या उनके प्रतिनिधि को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति का सहयोग करने के लिए एचकेआरएन द्वारा सहायक जिला अटॉर्नी, दो कानूनी सहायक और डाटा एंट्री ऑपरेटर उपलब्ध कराए जाएंगे। एचकेआरएन इस समिति के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार समिति शुरूआती चरण में सप्ताह में कम से कम दो बार बैठक करेगी। आवश्यकता पड़ने पर बैठकों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी। बैठकें भौतिक अथवा वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जा सकेंगी। सामान्यतः शिकायतों का समाधान मामला संज्ञान में आने के 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में यह अवधि अधिकतम 10 दिन तक बढ़ाई जा सकेगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी शिकायतें सबसे पहले एचकेआरएन के ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल पर दर्ज की जाएंगी। पोर्टल स्तर पर अनसुलझे मामलों को आगे विचार एवं समाधान के लिए समन्वय शिकायत निवारण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि एचकेआरएन, बोर्डों, निगमों तथा सरकारी विभागों के माध्यम से कार्यरत सभी अनुबंध कर्मचारी अनिवार्य रूप से पहले पोर्टल पर उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र का उपयोग करेंगे। प्रशासनिक स्तर पर सभी उपाय अपनाने के बाद ही न्यायिक हस्तक्षेप की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इस नई व्यवस्था से अनुबंध कर्मचारियों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होगा, विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और अनावश्यक मुकदमेबाजी में कमी आएगी।

सांसद सैलजा ने रतिया में लगाया जनसुनवाई दरबार, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/फतेहाबाद(रतिया)

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने बुधवार को रतिया स्थित रेस्ट हाउस में जनसुनवाई कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान रतिया के एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सैलजा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता को अपने कार्यों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रशासन संवेदनशीलता के साथ कार्य करे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद सैलजा ने देश में बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मिडल ईस्ट में लंबे समय से ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने संभावित प्रभावों को लेकर पहले से कोई ठोस तैयारी नहीं की। उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हर वस्तु महंगी होती जा रही है और आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार को समय रहते ऐसे प्रबंध करने चाहिए थे जिससे देशवासियों को राहत मिलती, लेकिन सरकार की लापरवाही का खामियाजा अब समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा है। हरियाणा की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार का सिस्टम पूरी तरह जाम हो चुका है। लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सडकों पर उतरकर आंदोलन और जाम लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार अपराध, हत्या और हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया बाढ़ बचाव कार्यों का मुआयना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- समय पर काम पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने के दिए निर्देश

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने आज जिला करनाल के कुंडा कलां गांव में यमुना का दौरा कर बाढ़ बचाव कार्यों का मुआयना किया। इस गांव में यमुना में 1.73 करोड़ की लागत से 1250 फुट लंबे पांच स्टोन स्टड बनाए जा रहे हैं। श्री कल्याण ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कराएं। कहीं थोड़ी बहुत कमी नजर आए तो उसे भी दूर किया जाए। स्थानीय लोगों का यदि कोई सुझाव आता है तो उस पर भी गौर करें। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस सम्बन्ध में जानकरी देते हुए बताया कि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में लिए निर्णय अनुसार जिला में अकेले सिंचाई विभाग द्वारा शेरगढ़ टापू से सदरपुर तक यमुना क्षेत्र में दस स्थानों पर काम जारी है। इंद्री विधानसभा क्षेत्र में 8.95 करोड़ और घरौंडा में 15.25 करोड़ से बाढ़ बचाव कार्य कराए जा रहे हैं। कुंडा कलां में 1.73 करोड़ रुपए की लागत से 5 नए स्टोन स्टड बनाने का काम शुरू कर दिया गया है जो निर्धारित समय के अंदर काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में हर साल यमुना में पानी के तेज बहाव के कारण अलग-अलग स्थानों पर भूमि कटाव हो जाता है। कई बार बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। बदलते जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत और सजग रहने की जरूरत है। सरकार इस बात के लिए गंभीर है कि यमुना में बाढ़ के लिए फसलों व जान-माल का नुकसान न हो। जरूरत अनुसार न केवल नए स्टड्स बनाए जा रहे हैं बल्कि पुरानों की मरम्मत भी की जा रही है।

धारा का टेम को मिली एनएफडीसी से सराहना

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

- 19वें एमआईएफएफ की प्रचार सामग्री में किया शामिल
- सुपवा के एपी ने किया था साउंड डिजाइन, मिल चुका अवार्ड
- यूनिवर्सिटी यहां पढ़ने वाले छात्रों को ही हुनरमंद नहीं बनाती, बल्कि यहां मौजूद फैकेल्टी सदस्यों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के पूरे अवसर प्रदान करती
- सुपवा से शिक्षा के बाद कितने ही छात्र आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी प्रतिभा से सभी को परिचित करवा रहे

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के पूर्व छात्र द्वारा बनाई गई शॉर्ट फिल्म ह्यधारा का टेमह्ल (टाइम फॉर मिल्किंग) को एनएफडीसी (नेशनल फिल्म डिवलेपमेंट कॉरपोरेशन) से सराहना मिल रही है। एनएफडीसी ने इस फिल्म को 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एमआईएफएफ) की प्रचार सामग्री में शामिल किया है। इसके बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं के फिल्म निमार्ताओं को फेस्टिवल में शिरकत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

धारा का टेम का निर्देशन डीएलसीसुपवा के 2012 बैच में डायरेक्शन के छात्र रहे अमित कुमार ने किया है, जबकि इसका साउंड डिजाइन यूनिवर्सिटी के ऑडियोग्राफी डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिजीत सरकार ने किया है। अभिजीत बताते हैं कि 30 मिनट की इस शॉर्ट फिल्म के लिए साल 2024 में 18वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एमआईएफएफ) में बेस्ट साउंड डिजाइनर का उन्हें अवार्ड मिल चुका है। एमआईएफएफ का आयोजन केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय व एनएफडीसी कराते हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के बाद एमआईएफएफ को देश का दूसरा सबसे बड़ा फिल्मी अवार्ड माना जाता है।

सुपवा की फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के एफसी महेश टीपी बताते हैं कि यूनिवर्सिटी यहां पढ़ने वाले छात्रों को ही हुनरमंद नहीं बनाती, बल्कि यहां मौजूद फैकेल्टी सदस्यों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के पूरे अवसर प्रदान करती है। सुपवा से शिक्षा ग्रहण करने के बाद कितने ही छात्र आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी प्रतिभा से सभी को परिचित करवा रहे हैं। यहां के स्टाफ द्वारा साउंड डिजाइन की गई फिल्म को एमआईएफएफ से अवार्ड मिलने से साबित होता है कि यहां गुणवत्तापूरक शिक्षा देने के तमाम इंतजाम प्रदेश सरकार और यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अमित आर्य द्वारा किए जा रहे हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर अभिजीत सरकार बताते हैं कि शॉर्ट फिल्म के नाम ह्यधारा का टेमह्ल से साफ है कि यह हरियाणवी बैकग्राउंड पर बनाई गई है। इसमें हर रोज सुबह के समय पशुओं का दूध निकालने के दौरान किस तरह का मौहाल, वातावरण होता है, वह सभी फिल्माया गया है। बाकायदा पक्षियों की चहचहाट से लेकर वे तमाम चीजें दिखाने का प्रयास किया गया है, जो किसी भी साधारण गांव के किसी घर में बंधे पशुओं के आसपास का अक्सर सीन बना रहता है। बाकायदा पशुओं को बांधने वाली बेल की आवाज, अचानक से तेज सांस छोड़ने की आवाज, दूध निकालने के लिए किसान परिवार द्वारा की जाने वाली तैयारी, आदि को समायोजित किया गया है। अब एनएफडीसी ह्यधारा का टेमह्ल की खासियत और इसे मिले अवार्ड का अपने विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल्स पर जिक्र करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं के फिल्मकारों को 19वें एमआईएफएफ में भाग लेने को आमंत्रित कर रही है।

संपादकीय

भारत 47.6 डिग्री पर जल रहा है: लू की त्रासदी, शहरी ताप और अल-नीनो का सच

भारत इन दिनों एक भीषण अग्निपरीक्षा से गुजर रहा है। उत्तर से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक, आसमान से आग बरस रही है। उत्तर प्रदेश के औरैया और ओरई से लेकर राजस्थान के जैसलमेर और फलौदी तक, तापमान 45 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है। यह केवल मौसम की एक सामान्य करवट नहीं है – यह एक गहरे संकट की आहट है, जिसे हम वर्षों से अनदेखा करते आए हैं। इस साल की गर्मी अपने आप में असाधारण है। भारत 2026 की गर्मियों में विश्व के 100 सबसे गर्म शहरों में से 98 शहरों का घर बन चुका है। यह आँकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह भी बताता है कि हमारी जलवायु के साथ कुछ बहुत गंभीर और दीर्घकालिक घटित हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में तापमान और अधिक बढ़ सकता है, हालाँकि कभी-कभार होने वाली गरज-बौछार से केवल अस्थायी राहत मिलेगी। भारत में लू को केवल गर्मी नहीं कहते। मौसम विभाग के अनुसार, लू की घोषणा तब होती है जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाए, या फिर जब यह सामान्य मौसमी तापमान से काफी ऊपर चला जाए। पहाड़ी इलाकों में यह सीमा 30 डिग्री तक भी हो सकती है। भारत की विविध भौगोलिक संरचना – समुद्री तट, नदी घाटियाँ, मरुस्थल और पर्वतीय क्षेत्र – के कारण लू की घोषणा की सीमाएँ अलग-अलग होती हैं। इस वर्ष आईएमडी ने दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार और तेलंगाना सहित उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्सों में व्यापक लू की चेतावनी जारी की है। यह सूची ही बताती है कि इस बार का संकट कितना व्यापक और गहरा है। इस भीषण गर्मी को और भी घातक बनाने में शहरों की बनावट की बड़ी भूमिका है। जिसे विशेषज्ञ 'अर्बन हीट आईलैंड इफेक्ट' कहते हैं, वह आज भारतीय महानगरों की एक कड़वी सच्चाई बन चुका है। तेज शहरीकरण, घनी इमारतें, पेड़-पौधों की कमी और वाहनों व उद्योगों से निकलने वाली गर्मी मिलकर शहरों को उनके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक गर्म बना देती हैं। यह प्रभाव शहरों के तापमान को 4 से 7 डिग्री सेल्सियस तक अतिरिक्त बढ़ा सकता है और रात में भी ताप से राहत नहीं मिल पाती। सोचिए – जब दिन में पारा 45 डिग्री पर हो और रात में भी ठंडक न मिले, तो इंसान का शरीर कितने दिन यह सह सकता है? बुजुर्ग, बच्चे, खुले में काम करने वाले मजदूर और झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोग इस ताप की मार सबसे पहले झेलते हैं। अध्ययन यह भी दर्शाते हैं कि तेज शहरीकरण ने शहरी क्षेत्रों में तापमान वृद्धि को और बिगाड़ा है, और इसका सबसे अधिक असर बाहरी श्रमिकों और निम्न-आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। इस वर्ष की गर्मी को समझने के लिए हमें प्रशांत महासागर की गहराइयों तक झाँकना होगा। 'अल-नीनो' एक जलवायु घटना है जिसमें प्रशांत महासागर की सतह असामान्य रूप से गर्म हो जाती है और इसके प्रभाव दुनियाभर के मौसम पर पड़ते हैं। मौसम विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार, 2026 में एक 'सुपर अल-नीनो' विकसित हो सकता है, जो वैश्विक मौसम प्रणालियों को बाधित करने, भारत में वर्षा घटाने और भूमि की सतह के ताप को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। भारत के लिए अल-नीनो का मतलब सिर्फ गर्मी नहीं है। एक संभावित सुपर अल-नीनो मानसून को कमजोर कर सकता है, जो भारत की लगभग 70 प्रतिशत वर्षा का स्रोत है। इसके परिणामस्वरूप फसल उत्पादन में कमी, पानी की किल्लत और बिजली संकट जैसी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। यानी लू का यह मौसम केवल एक अस्थायी कष्ट नहीं, बल्कि आने वाले खाद्य और जल संकट की भूमिका भी बन सकता है। इस सब के पीछे की सबसे बड़ी और सबसे अनदेखी की गई सच्चाई है – जलवायु परिवर्तन। दीर्घकालिक वैश्विक तापमान वृद्धि पृथ्वी के आधार तापमान को ऊँचा करती जा रही है, जिससे लू अधिक बार, अधिक तीव्र और अधिक लंबी होती जा रही है। यह कोई भविष्य की भविष्यवाणी नहीं – यह आज का यथार्थ है। वैज्ञानिकों के एक प्रमुख समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह की लू की संभावना अब 45 गुना तक बढ़ चुकी है। यह आँकड़ा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए, तो 47.6 डिग्री का आज का रिकॉर्ड कल का सामान्य तापमान बन जाएगा। सरकार और समाज दोनों को इस संकट से उबरने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। भारत के 23 राज्यों में 'हीट एक्शन प्लान' यानी लू-कार्य योजनाएँ मौजूद हैं, जो प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, बहु-क्षेत्रीय प्रभावों की तैयारी और कमजोर वर्गों को सलाह व सहायता सेवाएँ प्रदान करती हैं। परंतु इन योजनाओं का कागज से जमीन पर उतरना जरूरी है। शहरी हरियाली, यानी पेड़ लगाना, छतों पर बगीचे और हरे गलियारे विकसित करना – ये उपाय शहरी ताप को कम करने में प्रभावी साबित हो सकते हैं। इमारतों के डिजाइन में परिवर्तन, सफेद या हल्के रंग की छतें, और ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग – ये भविष्य की जरूरतें नहीं, आज की आवश्यकताएँ हैं। सबसे जरूरी है कि गरीब और असंगठित मजदूरों के लिए दोपहर में काम बंद करने के नियम सख्ती से लागू हों, और शीतल जल व छाया की व्यवस्था हर सार्वजनिक स्थान पर सुनिश्चित हो। 47.6 डिग्री सेल्सियस केवल एक थर्मामीटर का आँकड़ा नहीं है। यह हमारी विकास नीतियों, शहरी योजना की विफलताओं और जलवायु के प्रति हमारी उदासीनता का जीवंत प्रमाण है। जब तक कंक्रीट के जंगलों में असली जंगल नहीं उगाएँगे, जब तक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं घटाएँगे और जब तक जलवायु परिवर्तन को राजनीतिक प्राथमिकता नहीं देंगे – तब तक हर साल का मई-जून एक नया रिकॉर्ड तोड़ता रहेगा। भारत जल रहा है। और इस आग को बुझाने के लिए बारिश का इंतजार नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और ठोस नीतियों की जरूरत है।

बदलते फैशन, बदलती सोच और समाज की असली चिंता

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

समाज में समय के साथ बहुत कुछ बदलता है। भाषा बदलती है, रहन-सहन बदलता है, तकनीक बदलती है और पहनावा भी बदलता है। हर युग की अपनी पहचान होती है। कभी घूँघट और साड़ी को आदर्श माना गया, फिर सलवार-सूट सामान्य हुआ, उसके बाद जींस और आधुनिक परिधान युवाओं की पसंद बने। आज सोशल मीडिया और वैश्विक संस्कृति के प्रभाव से फैशन लगातार नए रूप ले रहा है। ऐसे में स्वाभाविक है कि समाज में इस बदलाव को लेकर चर्चा भी हो और मतभेद भी।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्टर तेजी से वायरल हुआ जिसमें महिलाओं के पहनावे में आए बदलाव को 'संस्कारों की हार' और 'नग्न होती नारी' जैसे शब्दों से जोड़ा गया। पोस्टर में 1980 से 2025 तक के फैशन परिवर्तन को दिखाकर यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि आधुनिकता ने भारतीय संस्कृति को कमजोर कर दिया है। यह विषय केवल कपड़ों का नहीं बल्कि समाज की सोच, मानसिकता, स्वतंत्रता, नैतिकता और स्त्री के प्रति दृष्टिकोण का भी है। इसलिए इस विषय पर गंभीर और संतुलित चर्चा आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना होगा कि पहनावा केवल शरीर ढँकने का माध्यम नहीं होता बल्कि यह संस्कृति, मौसम, सुविधा, पेशा, परिवेश और व्यक्तिगत पसंद का भी हिस्सा होता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग राज्यों की महिलाओं का पहनावा सदियों से भिन्न रहा है। कहीं साड़ी प्रमुख रही, कहीं घाघरा-चोली, कहीं मेखला, कहीं फुलकारी और कहीं सलवार-सूट। यदि परंपरा ही एकमात्र मानदंड होती, तो इतने विविध रूप कभी विकसित नहीं होते। इसका अर्थ स्पष्ट है कि समाज हमेशा बदलता रहा है और पहनावे में परिवर्तन कोई नई घटना नहीं है।

आज की युवा पीढ़ी ऐसे दौर में जी रही है जहाँ वैश्विक संस्कृति का प्रभाव पहले से कहीं अधिक है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटे से मंच में बदल दिया है। फैशन अब महानगरों तक सीमित नहीं रहा बल्कि गाँवों और कस्बों तक पहुँच चुका है। ऐसे में युवाओं का नए पहनावे की ओर आकर्षित होना अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इस बदलाव को सीधे 'चरित्र', 'संस्कार' और 'नैतिकता' से जोड़ दिया जाता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग महिलाओं के कपड़ों को ही उनकी मर्यादा का पैमाना मानता है। यदि कोई लड़की आधुनिक कपड़े पहनती है तो उसके संस्कारों पर प्रश्न उठा दिए जाते हैं, जबकि वही समाज पुरुषों के पहनावे को इतनी कठोर दृष्टि से नहीं देखता। यह दोहरा मापदंड लंबे समय से हमारे समाज में मौजूद है। सवाल यह है कि क्या किसी व्यक्ति का चरित्र केवल उसके वस्त्र तय करते हैं? यदि ऐसा होता, तो अपराध कभी परंपरागत कपड़े पहनने वालों द्वारा नहीं किए जाते। वास्तविकता यह है कि नैतिकता मनुष्य के व्यवहार, सोच और कर्मों से निर्धारित होती है, न कि केवल उसके पहनावे से।

हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि आधुनिकता और अश्लीलता दोनों अलग बातें हैं। हर आधुनिक परिधान अश्लील नहीं होता और हर पारंपरिक वस्त्र संस्कारों की गारंटी नहीं देता। कई बार समाज अपनी असहजता को 'संस्कृति की रक्षा' का नाम देकर प्रस्तुत करता है। जबकि असली चुनौती कपड़ों से अधिक मानसिकता की है। यदि किसी महिला को सड़क पर असुरक्षा महसूस होती है, तो उसके पीछे कारण उसके वस्त्र नहीं बल्कि समाज के कुछ लोगों की विकृत सोच है।

यह भी सच है कि फैशन उद्योग और सोशल मीडिया ने शरीर को प्रदर्शन की वस्तु की तरह प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। लाइक्स, फॉलोअर्स और वायरल होने की होड़ में कई बार लोग सीमाओं को भूल जाते हैं। बाजारवाद ने सुंदरता को एक उत्पाद बना दिया है। युवाओं पर आकर्षक दिखने का दबाव बढ़ा है। यह चिंता का विषय अवश्य है क्योंकि इससे आत्मविश्वास की जगह दिखावे की संस्कृति मजबूत होती है। परंतु इसका समाधान महिलाओं को दोष देना नहीं, बल्कि समाज में संतुलित और स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना है।

परिवार और शिक्षा की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि बच्चों को बचपन से ही सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार दिए जाएँ, तो वे किसी व्यक्ति को उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके व्यक्तित्व से पहचानेंगे। लड़कों को यह सिखाना अधिक आवश्यक है कि महिलाओं का सम्मान करें, बजाय इसके कि लड़कियों को हर समय अपने पहनावे के लिए दोषी महसूस कराया जाए।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता और सहनशीलता रही है। हमारी सभ्यता ने हमेशा परिवर्तन को अपनाया है। कभी महिलाओं की शिक्षा का विरोध हुआ, फिर वही शिक्षा समाज की शक्ति बनी। कभी नौकरी करने वाली महिलाओं को गलत माना गया, आज वही महिलाएँ परिवार और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं इसलिए केवल बदलाव के आधार पर किसी चीज को गलत ठहराना उचित नहीं कहा जा सकता।

हालाँकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि समाज में मर्यादा और संतुलन का कोई महत्व नहीं रह गया। स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। हर व्यक्ति को अपने परिवेश, अवसर और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। लेकिन यह निर्णय भय या दबाव से नहीं बल्कि समझ और आत्मसम्मान से होना चाहिए। संस्कार का अर्थ बंधन नहीं बल्कि विवेक है। सोशल मीडिया के इस युग में संवाद की जगह आरोपों ने ले ली है। लोग तुरंत किसी की तस्वीर देखकर निर्णय सुना देते हैं। महिलाओं के पहनावे पर बहस करना आसान है लेकिन महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और समान अवसरों पर गंभीर चर्चा कम होती है। यदि समाज वास्तव में संस्कृति और भविष्य को लेकर चिंतित है तो उसे सबसे पहले महिलाओं के प्रति सम्मानजनक वातावरण बनाना होगा।

हमें यह समझना होगा कि संस्कृति केवल कपड़ों में नहीं रहती। संस्कृति हमारे व्यवहार, भाषा, पारिवारिक मूल्यों, बुजुर्गों के सम्मान, ईमानदारी, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी में बसती है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक कपड़े पहनकर भी दूसरों का सम्मान करता है, अपने कर्तव्यों का पालन करता है और मानवीय मूल्यों को महत्व देता है तो वह उतना ही संस्कारी है जितना कोई पारंपरिक वस्त्र पहनने वाला व्यक्ति। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष को सही या गलत साबित करने की नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की है। न अंधी आधुनिकता उचित है और न ही कट्टर सोच। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नई पीढ़ी अपनी पसंद और पहचान के साथ जीना चाहती है। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि आत्मविश्वास केवल फैशन से नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व और व्यवहार से आता है।

महिलाओं को सम्मान देना केवल 'देवी' कह देने से पूरा नहीं होता। वास्तविक सम्मान तब होगा जब उन्हें अपने जीवन, शिक्षा, करियर और पहनावे के निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलेगी। यदि कोई महिला साड़ी पहनना चाहती है तो वह उसका अधिकार है और यदि कोई जींस पहनना चाहती है तो वह भी उसका अधिकार है। समाज का कार्य निर्णय थोपना नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाना होना चाहिए।

अंततः, बदलते फैशन को देखकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर पीढ़ी अपने समय के अनुसार जीवन जीती है। हमें केवल इतना सुनिश्चित करना है कि आधुनिकता के बीच मानवीय मूल्य कमजोर न हों। संस्कृति तब तक जीवित रहती है जब तक समाज में सम्मान, संवेदना और नैतिकता बनी रहती है। कपड़े बदल सकते हैं लेकिन यदि हमारी सोच संतुलित और मानवीय बनी रहे तो समाज कभी 'नग्न' नहीं होगा। असली संकट वस्त्रों का नहीं, दृष्टि का है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिये काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। परिवार के सदस्यों की सलाह आपके लिये लाभकारी सिद्ध हो सकती है, इसलिए उनकी बातों पर ध्यान अवश्य दें। *(सिटी दर्पण)*

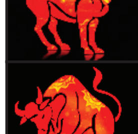
वृषभः आज आप अपने जीवनसाथी को कोई विशेष उपहार देने का विचार बना सकते हैं। जल्दबाजी में लिये गये निर्णय आपके काम बिगाड़ सकते हैं, इसलिए हर कार्य सोच-समझकर करें। अचानक किसी यात्रा की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

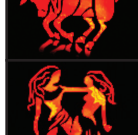
मिथुनः आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने के संकेत हैं। किसी विद्वान या अनुभवी व्यक्ति के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा हो सकती है। भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते मधुर और सहयोगपूर्ण रहेंगे। बच्चों के भविष्य को लेकर नई योजनाएं बना सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः व्यापार में हो रहे नुकसान में कमी आने के योग बन रहे हैं। सरकारी कार्यों में जो रुकावटें आ रही थीं, वे अब दूर होती नजर आएंगी। अधिकारी वर्ग आपकी कार्यशैली और मेहनत की सराहना कर सकता है। मित्रों के सहयोग से आप किसी नए काम की शुरूआत कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों में कुछ कमी आ सकती है। दूसरों की जिम्मेदारियां अपने ऊपर लेना आपके लिये परेशानी का कारण बन सकता है। बिना कारण की यात्रा से बचें, क्योंकि इससे समय और धन दोनों की हानि हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

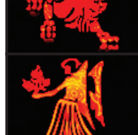
कन्याः दिन की शुरूआत काफी व्यस्तता के साथ हो सकती है, जिसका असर रात तक थकान के रूप में महसूस होगा। पर्याप्त आराम और नींद लेना आपके लिये जरूरी रहेगा। ससुराल पक्ष से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः जीवनसाथी का सहयोग और देखभाल आपको भावनात्मक मजबूती देगा। आप अपनी बातों को प्रभावशाली तरीके से लोगों के सामने रख पाएंगे। आपका संतुलित और शालीन व्यवहार दूसरों के लिये प्रेरणा बन सकता है। व्यापारियों को नए ग्राहक मिलने की सम्भावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज का अधिकतर समय घर और परिवार के बीच बिताना आपके लिये बेहतर रहेगा। जोखिम भरे कार्यों की ओर आपका आकर्षण बढ़ सकता है, लेकिन सावधानी बरतना आवश्यक है। परिवार के लोगों के साथ चल रहा मनमुटाव समाप्त हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आज नए व्यापारिक समझौते करने से बचना बेहतर रहेगा। दिनभर की भागदौड़ और काम के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। कर्ज या उधार लेने की स्थिति से बचने का प्रयास करें। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान बढ़ने की सम्भावना है। व्यापार में अच्छा आर्थिक लाभ मिल सकता है। वरिष्ठ और अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिये फायदेमंद साबित होगी। दूसरों की बातों को जरूरत से ज्यादा महत्व न दें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज पुराने और रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिये अनुकूल दिन रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को शुभ समाचार मिल सकता है। किसी बाहरी व्यक्ति से बहस या विवाद करने से बचें। परिस्थितियां सामान्य रहने के बावजूद मन में हल्की बेचैनी बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

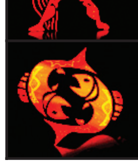
मीनः आज आपका मन धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में अधिक लगा रहेगा। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक विचारों का प्रभाव आपके व्यक्तित्व पर साफ दिखाई देगा। काम के बीच आराम करने से आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

ग्रेट निकोबार : क्या राष्ट्रहित से ऊपर है कांग्रेस की राजनीति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, तब देश को मजबूत सामरिक ढांचा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक व्यापारिक क्षमता की भी आवश्यकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को अपने समुद्री हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना समय की मांग है। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के सामरिक, आर्थिक और वैश्विक भविष्य की आधारशिला है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस परियोजना का लगातार विरोध कर रही है।

वस्तुतः कभी पर्यावरण के नाम पर, कभी आदिवासी हितों के नाम पर और अब राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर प्रश्न उठाकर कांग्रेस ऐसे प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रही है, जो भविष्य में भारत को समुद्री शक्ति, व्यापारिक आत्मनिर्भरता और सामरिक मजबूती प्रदान करने का कारण बनेगा। सवाल यह है कि क्या वास्तव में कांग्रेस को पर्यावरण और जनजातीय समाज की इतनी चिंता है या फिर यह मोदी सरकार का विरोध करने की योजनाबद्ध मानसिकता है?

विरोध नहीं, यह विकास रोकने की राजनीति है

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर पुनर्विचार की मांग की है। उनका तर्क है कि ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और टाउनशिप जैसी योजनाएं सैन्य क्षमता नहीं बढ़ातीं और पर्यावरण तथा आदिवासी समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में यहां स्वभाविक प्रश्न उभरता है कि यदि कांग्रेस को विकास परियोजनाओं से इतना ही परहेज है, तब अपने दशकों लंबे शासनकाल में उसने देशभर में हजारों बड़े बांध, बंदरगाह, औद्योगिक कॉरिडोर, राजमार्ग और शहरी परियोजनाएं क्यों शुरू कीं?

क्या तब पर्यावरण और जनजातीय हित याद नहीं आए? क्या उस समय पर्यावरण का नुकसान नहीं हो रहा था? असल सच्चाई यह है कि कांग्रेस का यह विरोध सिद्धांत आधारित न होकर सिर्फ राजनीति से प्रेरित है। यदि यही परियोजना कांग्रेस सरकार लेकर आती, तो वही नेता इसे 'भारत के भविष्य का द्वार' बताते।

ग्रेट निकोबार : भारत का सामरिक कवच

ग्रेट निकोबार द्वीप की स्थिति हिंद महासागर क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पूर्व-पश्चिम अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से मात्र लगभग 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है। दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक के इतना निकट होना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अमूल्य अवसर है।

आज भारत का बड़ा हिस्सा विदेशी ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों जैसे कोलंबो, सिंगापुर और क्लांग पर निर्भर है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत का व्यापारिक और सामरिक हित दूसरे देशों की बंदरगाह नीतियों पर निर्भर रहता है। ग्रेट निकोबार परियोजना इस निर्भरता को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम है। हमें समझना होगा कि 14.2 मिलियन टीईयू क्षमता वाला इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भारत को समुद्री व्यापार में आत्मनिर्भर बनाएगा। यह आर्थिक परियोजना होने के साथ चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता के सामने भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने वाला कदम है।

क्या कांग्रेस को दिखाई नहीं देता कि भारत के पड़ौसी देश अपनी सामरिक शक्ति एवं अन्य शक्तियां बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं? जब चीन हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपने बंदरगाह नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, तब भारत यदि अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाता है तो कांग्रेस को इसमें समस्या क्यों दिखाई देती है? कांग्रेस का कहना है कि केवल आईएनएस बाज या अन्य सैन्य परिसंपत्तियों के विस्तार से काम चल सकता है। लेकिन क्या भारत जैसे विशाल और उभरते हुए राष्ट्र को केवल 'काम चलाने' वाली मानसिकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए?

उम्मीद से अधिक नहीं किंतु यह तो कांग्रेस समझ ही सकती है कि 150 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। यदि भारत को वैश्विक व्यापार, नौसैनिक शक्ति और समुद्री रणनीति में अग्रणी बनना है, तो उसे विश्वस्तरीय बंदरगाह, एयरपोर्ट और आधुनिक शहरी ढांचे की आवश्यकता होगी। कांग्रेस शायद यह भूल रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सैन्य अड्डों के साथ ही मजबूत आर्थिक और लॉजिस्टिक क्षमता से भी सुनिश्चित होती है। ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट और टाउनशिप, ये सभी मिलकर भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थायी रणनीतिक बढ़त दिलाएंगे।

पर्यावरण के नाम पर भ्रम फैलाती कांग्रेस

कांग्रेस लगातार यह प्रचारित करने की कोशिश कर रही है कि इस परियोजना से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है। यह परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत सभी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरियां प्राप्त कर चुकी है। इसके लिए विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन किया गया है, जिसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय विज्ञान संस्थान, वन्यजीव संस्थान और सैकॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने अध्ययन किया है।

परियोजना के अंतर्गत 42 अनिवार्य पर्यावरणीय शर्तें लागू की गई हैं। द्वीप के केवल 1.82 प्रतिशत वन क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा और इसके बदले 97.30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वनीकरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, 65.99 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ग्रीन जोन के रूप में संरक्षित रखा जाएगा, जहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। क्या कांग्रेस यह बताना चाहेगी कि उसके शासनकाल में बनी परियोजनाओं में इतने व्यापक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधान कितनी बार देखने को मिले थे?

आदिवासी हितों पर राजनीति बंद होनी चाहिए

कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि परियोजना से शोंपेन और निकोबारी समुदाय प्रभावित होंगे किंतु सही तथ्य यह है कि परियोजना में किसी भी जनजातीय समुदाय के विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है। परियोजना के अंतर्गत जनजातीय आरक्षित क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। 73.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को डी-नोटिफाई करने के बदले 76.98 वर्ग किलोमीटर नई भूमि को पुनः जनजातीय आरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा रहा है। यानी कुल आरक्षित क्षेत्र में वृद्धि होगी।

इसके अतिरिक्त, जनजातीय हितों की निगरानी के लिए स्वतंत्र समितियां गठित की गई हैं और जनजातीय कार्य मंत्रालय, एएजेवीएस तथा भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण जैसे संस्थानों से विस्तृत परामर्श किया गया है। यदि वास्तव में सरकार आदिवासी विरोधी होती, तब क्या इतनी संवेदनशील और निगरानी आधारित व्यवस्था तैयार की जाती?

भारत को आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाना अपराध नहीं

आज विश्व तेजी से बदल रहा है। समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सामरिक समुद्री मार्ग आने वाले दशकों की शक्ति का निर्धारण करेंगे। भारत यदि इस दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोध। मोदी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि भारत को आत्मनिर्भर, सामरिक रूप से मजबूत और आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाना है। ग्रेट निकोबार परियोजना उसी दृष्टि का हिस्सा है।

विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलते हैं

वस्तुतः आज ग्रेट निकोबार परियोजना यह सिद्ध करती है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मूल्यांकन और चरणबद्ध विकास के माध्यम से दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। गैस और सौर ऊर्जा आधारित हाइब्रिड पावर प्लांट, पर्यावरण प्रबंधन योजना, आपदा प्रबंधन ढांचा और जैव विविधता संरक्षण उपाय यह दर्शाते हैं कि सरकार दीर्घकालिक सतत विकास की सोच के साथ आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस समझे, राष्ट्रहित सर्वोपरि

ऐसे में कहना यही होगा कि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के भविष्य की परियोजना है। यह सिर्फ एक बंदरगाह या एयरपोर्ट का निर्माण नहीं हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। कांग्रेस यदि वास्तव में राष्ट्रहित की राजनीति करना चाहती है तो उसे हर राष्ट्रीय परियोजना का अंधा विरोध बंद कर देना चाहिए। ध्यान रहे- आलोचना होनी चाहिए, सुझाव भी दिए जाने चाहिए पर विकास को रोकने और देश को कमजोर करने वाली मानसिकता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

भारत अब 20वीं सदी की सोच से आगे निकल चुका है। यह नया भारत है, जो पर्यावरण का संरक्षण भी करना जानता है, आदिवासी हितों का सम्मान भी करता है और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता भी देता है। स्वभाविक है कि ग्रेट निकोबार परियोजना इसी नए भारत की महत्वाकांक्षा, क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जिसे हर हाल में पूरा होना ही चाहिए, इसी में हम सभी भारतीयों का हित निहित है।

डॉ. हेडगेवार और गुरुजी : राष्ट्र-निर्माण एवं हिंदू संगठन का वैचारिक आधार

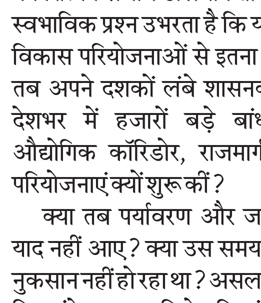
कैलाश चन्द्र (हि.स)

भारत का राष्ट्र-चेतना-विमर्श केवल राजनीतिक संघर्ष की कहानी नहीं; यह समाज की आत्मा, संस्कृति और संगठन को पुनर्जीवित करने की एक सदी-लंबी प्रक्रिया है। इस पुनर्जागरण के दो अनिवार्य स्तंभ डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार और गुरुजी माधवराव गोलवलकर ने इस प्रक्रिया को वैचारिक गहराई, संगठनात्मक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि प्रदान की। दोनों की राष्ट्र दृष्टि का मूल केंद्र था एक संगठित, संस्कारित और आत्मसम्मान सम्पन्न समाज का निर्माण, जो विश्व-मानवता के लिए भी एक नैतिक विकल्प प्रस्तुत कर सके।

डॉ. हेडगेवार का राजनीतिक प्रवास कांग्रेस से आरम्भ हुआ। 1916-1920 के बीच वे कांग्रेस की विभिन्न समितियों व प्रस्ताव-विचार प्रक्रियाओं में सक्रिय रहे। नागपुर कांग्रेस (1920) में पूर्ण स्वराज्य को कांग्रेस का आधिकारिक लक्ष्य बनाने का उनका प्रयास उस समय के नेतृत्व को अत्यधिक 'राष्ट्रवादी' प्रतीत हुआ। यही वह ऐतिहासिक क्षण था, जब हेडगेवार को यह स्पष्ट हुआ कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक लक्ष्य नहीं; यह एक राष्ट्रीय पुनर्जागरण है, जिसके लिए समाज का जागरण और संगठन अनिवार्य है।

उनके अनुसार स्वतंत्रता की अवधारणा त्रिस्तरीय थी

(1) राजनीतिक मुक्ति विदेशी शासन से निजात

(2) मानसिक मुक्ति दासता, भय और आन्तरिक विभाजनों से मुक्ति

(3) सामाजिक मुक्ति एक अनुशासित, आत्मनिर्भर और संगठित समाज की स्थापना

वे स्पष्ट कहते थे, 'जब समाज असंगठित होता है, तभी बाह्य सत्ता उसे गुलाम बना पाती है।' यह दृष्टि बाद में संघ-स्थापना का केंद्र-बिंदु बनी, जिसमें स्व-आधारित राष्ट्रीय तंत्र स्व-शिक्षा, स्व-भाषा, स्व-धर्म और स्वावलंबी अर्थनीति को स्वराज्य का वास्तविक आधार माना गया। हेडगेवार की वैश्विक चिंता केवल भारत-सीमित नहीं थी। वे यूरोपीय पूंजीवाद को मानवता के लिए संकट बताते हुए कहते थे कि यह मनुष्य को व्यक्तित्व नहीं, उपकरण बनाता है। भारत का मार्ग मानवता को इससे बचाने का विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। इस प्रकार उनके चिंतन में भारत की स्वतंत्रता= विश्व को एक संतुलित, समन्वयी और नैतिक दिशा देने का अवसर था।

गुरुजी : हिंदू संगठन और विश्व-मानवता का सांस्कृतिक मॉडल

गुरुजी गोलवलकर ने हेडगेवार के विचारों को एक व्यापक सांस्कृतिक और वैश्विक आयाम दिया। उनका मानना था कि हिंदू जीवन-दर्शन केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एकात्मता और सामंजस्य का मार्ग है। उनके अनुसार हिंदू समाज को तीन बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी करनी होंगी-

(1) संरक्षण- मंदिर, तीर्थ, शिक्षण-परंपरा, परिवार, संस्कार ये सब राष्ट्रीय चेतना के आधार-स्तंभ हैं। इन्हें सुरक्षित रखा जाये बिना समाज की आत्मा सुरक्षित नहीं रह सकती। (2) मौलिकता- गुरुजी पश्चिमी अंधानुकरण से सावधान करते थे। उपभोक्तावाद के स्थान पर संयम, धर्महीन आधुनिकता के स्थान पर मूल्यनिष्ठ शिक्षा और मानव-केंद्रित प्रगति पर उनका आग्रह था। (3) जीवन्तता- उनके अनुसार धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं बल्कि आचरण, कर्तव्य, परिवार और पुरुषार्थ का एक व्यवहारिक ढाँचा है। समाज जब इन सिद्धांतों को व्यवहार में लाता है, तभी वह सशक्त बनता है। गुरुजी ने 'हिंदूराष्ट्र' की अवधारणा को राजनीतिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के रूप में परिभाषित किया। यह न किसी प्रभुत्व का विचार है, न किसी धार्मिक राज्य का। यह समान राष्ट्रीय स्मृति, समान कर्तव्य-भाव और सामाजिक समरसता पर आधारित समाज-केंद्रित राष्ट्रीयता है।

दोनों का साझा लक्ष्य : संगठित, संस्कारित और दीर्घकालीन राष्ट्र-निर्माण

डॉ. हेडगेवार और गुरुजी की दृष्टि में भारत के पुनरुत्थान का मूल मंत्र था एक जागरुक, निर्दोष, संगठित और सुदीर्घ समाज। जागरुक समाज यानी जिसके पास इतिहास-बोध, संस्कृति-बोध, कर्तव्य-बोध और चुनौतियों का विवेकपूर्ण विश्लेषण हो। निर्दोष नागरिक- जो चरित्र, अनुशासन और नैतिकता में उच्च हो। दोनों कहते थे, 'चरित्र-निर्माण ही राष्ट्र-निर्माण का प्रथम सोपान है।' वहीं, संगठित समाज- हेडगेवार का सूत्रः 'व्यक्ति जोड़ो राष्ट्र स्वयं जुड़ जाएगा।' गुरुजी का संकल्पः 'संगठन संख्या नहीं मन का एकत्व है।' दोनों के अनुसार राष्ट्र-निर्माण त्वरित प्रक्रिया नहीं; यह धैर्य, तप, निरंतर सेवा और सतत संस्कारों का विषय है।

भारत का स्वाभाविक लक्ष्य : 'परम वैभव'

संघ के चिंतन में 'परम वैभव' का अर्थ किसी भौतिक सामर्थ्य तक सीमित नहीं। यह है सांस्कृतिक समृद्धि, ज्ञान-विज्ञान का उत्कर्ष, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, चरित्रवान नागरिक, विश्व-मानवता के लिए आध्यात्मिक व नैतिक नेतृत्व। दोनों महापुरुषों का विश्वास था कि भारत का उदय विश्व में सामंजस्य, संतुलन और शांति की स्थापना का मार्ग बनेगा। क्योंकि भारत का दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' आज की विभाजित, उपभोक्तावादी और तनावग्रस्त विश्व-व्यवस्था के लिए एक शाश्वत समाधान है।

भारत का पुनर्जागरण समाज से राष्ट्र तक

डॉ. हेडगेवार और गुरुजी ने यह स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता केवल सत्ता-परिवर्तन नहीं; यह मनुष्य, समाज और संस्कृति तीनों की पुनर्रचना है। उनकी दृष्टि में-

स्वराज्य = स्व-आधारित व्यवस्था

संगठन = राष्ट्र-शक्ति का मूल स्रोत

हिंदूराष्ट्र = सांस्कृतिक राष्ट्रत्व

भारत का उदय = विश्व-मानवता का नैतिक नेतृत्व

आज जब भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, तब इन दोनों महान पुरुषों की राष्ट्र-दृष्टि पुनः राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आ रही है। 'स्पिरिचुअलाइज द रिलिजन-नेशनलाइज द मैन' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह मौलिक सिद्धांत पिछले सौ वर्षों से उसके कार्य का दार्शनिक आधार रहा है। इसका अर्थ है धर्म को अनुष्ठानों तक सीमित न रखकर आध्यात्मिक मूल्य, आत्मानुशासन, करुणा, कर्तव्य-बोध और राष्ट्रनिष्ठा का जागरण तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में राष्ट्र-केंद्रित चरित्र वाला बनाना।

इसी दृष्टि से संघ दो महत्वपूर्ण कार्य-मार्ग निर्धारित करता है- 'सवेर्षां अविरोधेन' समाज के प्रत्येक घटक के साथ सामंजस्य, समन्वय और अविरोध का भाव। संगठन का विस्तार किसी के विरोध से नहीं बल्कि सभी के साथ संवाद, सद्भाव और सहभागिता से। 'बहुमत से नहीं, सहमति से निर्णय' संघ में निर्णय संख्या बल से नहीं बल्कि सर्वसम्मति, निरहंकार चर्चा और साझा समाधान की भावना से किए जाते हैं।

वस्तुतः यही दो सिद्धांत संघ को मात्र संगठन नहीं बल्कि राष्ट्रजीवन में सकारात्मक परिवर्तन की सतत साधना बनाते हैं। त्यांच्या चिंतन में निहित यह संदेश सदैव प्रासंगिक रहेगा, 'जब समाज जागता है राष्ट्र उठ खड़ा होता है; जब राष्ट्र उठता है विश्व को दिशा मिलती है।'

(लेखक, वरिष्ठ स्तम्भकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

दूध सैंपलिंग अभियान के बाद पंजाब में दो दिवसीय व्यापक पनीर सैंपलिंग अभियान चलाया गया; 211 सैंपल किए गए एकत्र

उल्लंघन करने वालों के खिलाफ फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी: स्वास्थ्य मंत्री

सिटी दर्पण संवाददात
चंडीगढ़

सुरक्षित और मानक खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के तहत, फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) पंजाब ने पूरे राज्य में दो दिवसीय व्यापक पनीर सैंपलिंग अभियान चलाया।

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशों और एफडीए पंजाब के कमिश्नर कंवलप्रीत बराड़ की निगरानी में सोमवार और मंगलवार को चलाए गए इस अभियान के तहत डेयरी सप्लाई चेन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत पूरे राज्य की स्थानीय डेयरियों की जांच की गई, जिसके दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरियों, प्रोसेसिंग यूनिटों और खुदरा दुकानों से पनीर के 211 सैंपल लिए गए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लिए गए सैंपलों को किसी भी प्रकार की मिलावट और निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच के लिए मान्यता प्राप्त स्टेट फूड लैबोरेटरी में भेजा गया है। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा, नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी फूड बिजनेस ऑपरेटर (एफबीओ) के खिलाफ फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के प्रावधानों के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. बलबीर सिंह ने लोगों से सतर्क रहने और संबंधित अधिकारियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना देकर इस मिशन में सहयोग करने की अपील भी की।

उल्लेखनीय है कि इस पनीर सैंपलिंग अभियान से पहले एफडीए पंजाब द्वारा 6 और 7 मई 2026 को दो दिवसीय राज्य स्तरीय दूध सैंपलिंग अभियान भी चलाया गया था।

दूध सैंपलिंग अभियान के परिणाम साझा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस दौरान दूध के कुल 204 सैंपल एकत्र किए गए, जिनमें से 68 सैंपल गुणवत्ता मानकों पर फेल पाए गए, जबकि एक नमूना असुरक्षित पाया गया।

सप्लाई चेन से मिलावटी दूध को खत्म कर जनस्वास्थ्य की रक्षा के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने पंजाब के लोगों को भरोसा दिलाया कि यह सैंपलिंग अभियान स्वस्थ और रंगला पंजाब सुनिश्चित करने के लिए आने वाले हफ्तों में भी लगातार जारी रहेगा।

विभाग की सतर्कता के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए एफडीए कमिश्नर कंवलप्रीत बराड़, आईएएस ने कहा कि फूड सेफ्टी अधिकारी (एफएसओ) न केवल कानून लागू कर रहे हैं, बल्कि फूड बिजनेस ऑपरेटरों को स्वच्छता और उचित भंडारण संबंधी तरीकों के बारे में भी जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के हित में डेयरी क्षेत्र में उच्च मानकों को बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

छत्तबीड़ चिड़ियाघर ने जानवरों को गर्मियों के दौरान तेज धूप और लू से बचाने के लिए व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए: लाल चंद कटारूचक्क

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

गर्मियों के मौसम में पड़ रही भीषण लू को देखते हुए जानवरों की उचित देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए महेंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क (छत्तबीड़ चिड़ियाघर) ने वन्य जीवों की सुरक्षा और देखभाल के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क की सोच से प्रेरित होकर चिड़ियाघर प्रबंधन ने विभिन्न श्रेणियों के जानवरों को राहत देने के लिए कई उपाय किए हैं। मांसाहारी जानवरों को गर्मी से राहत देने के लिए सभी बाघों, तेंदुओं, शेरों, भालुओं और अन्य जानवरों के बाड़ों में डेजर्ट कूलर और एयर सकुर्लेटर पंखे लगाए गए हैं। पशु प्रबंधन सेल यह सुनिश्चित करने के लिए हर समय सतर्क और सक्रिय है कि ये बाड़े ठंडे और सूखे बने रहें। मच्छर मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए सभी खिड़कियों पर जालियां लगाई गई हैं।

इन बाड़ों और कुछ रिहायशी स्थानों को 75 प्रतिशत घनत्व वाले एग्रो नेट से ढका गया है ताकि जानवरों को छाया मिल सके और आसपास का तापमान कम रखने में मदद मिले। आपातकालीन स्थिति में पूरे चिड़ियाघर में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैंकर और ट्रैक्टर हर समय उपलब्ध रहते हैं।

शाकाहारी जानवरों को तेज गर्मी और धूप से बचाने के लिए सरकंडे, लकड़ी और बांस आदि से बने अस्थायी शेल्टर और झोपड़ियां तैयार की गई हैं।

हाथियों, मणिपुर के हिरणों, स्वैम्प डियर और हिरण सफारी के लिए नहाने हेतु पानी से भरे कीचड़ वाले तालाब बनाए गए हैं। कंक्रीट के पानी के पूल भी चौबीसों घंटे पानी से भरे रहते हैं। बेहतर ठंडक के लिए इन स्थानों के कुछ हिस्सों को 75 प्रतिशत घनत्व वाले एग्रो नेट से ढका गया है।

पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के लिए सभी पिंजरों को 75 प्रतिशत घनत्व वाले एग्रो नेट और जूट मैट से अच्छी तरह ढका गया है ताकि उन्हें गर्म हवा और तेज धूप से बचाया जा सके। पक्षियों को अधिक आरामदायक और खुश रखने के लिए छोटे पिंजरों में स्प्रिंकलर शावर भी लगाए गए हैं।

सांसद साहनी ने पंजाब पर बढ़ते कर्ज, लंबित डीए एवं कॉलेजों को ग्रांट-इन-एड जारी न होने पर चिंता जताई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्यसभा सांसद डॉ विक्रमजीत सिंह साहनी ने आज पंजाब सरकार द्वारा एक बार फिर लगभग 2,500 करोड़ का बाजार से ऋण लेने पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जबकि राज्य का कुल कर्ज चिंताजनक रूप से 5 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। डॉ. साहनी ने कहा कि लगातार कर्ज लेने के बावजूद लगभग 7 लाख सरकारी कर्मचारी एवं पेंशनभोगी अब भी लगभग 15,000 करोड़ के लंबित महंगाई भत्ता (डीए) की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दे चुका है। डॉ. साहनी ने आगे कहा कि पंजाब के 136 सहायता प्राप्त कॉलेजों, जिनमें कई प्रतिष्ठित शताब्दी पुराने संस्थान भी शामिल हैं, को जनवरी 2026 से अब तक ग्रांट-इन-एड जारी नहीं की गई है, जिसके कारण हजारों शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। डॉ. साहनी ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बढ़ते कर्ज के बावजूद लाखों कर्मचारी, पेंशनभोगी, शिक्षक एवं सहायता प्राप्त संस्थान अब भी अपने वैध बकायों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पंजाब सरकार को तुरंत लंबित डीए एवं ग्रांट-इन-एड वेतन राशि जारी करनी चाहिए तथा आवश्यक सार्वजनिक दायित्वों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार मामले में पी.एस.पी.सी.एल. के पूर्व सी.एम.डी. के.डी. चौधरी, पूर्व वरिष्ठ एक्सियन संजीव प्रभाकर और कॉलोनाइजर अमित गर्ग को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना ने पी.एस.पी.सी.एल. के पूर्व चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर के.डी. चौधरी, पूर्व वरिष्ठ एक्सियन संजीव प्रभाकर और मैसर्स दामिनी रिजॉर्ट एंड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, लुधियाना के डायरेक्टर अमित गर्ग को गिरफ्तार किया है। उक्त व्यक्तियों के खिलाफ विजिलेंस जांच नंबर 05, दिनांक 10.05.2021 के निष्कर्षों के आधार पर विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना में मामला दर्ज किया गया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बसंत एवेन्यू में 66 केवी सबस्टेशन स्थापित करने के संबंध में, बसंत एवेन्यू के कॉलोनाइजर ने पीएसपीसीएल के संबंधित फील्ड अधिकारियों की मिलीभगत से उक्त 66 केवी सबस्टेशन को अपनी कॉलोनी में 1015 वर्ग गज क्षेत्र में स्थापित करवा लिया। उन्होंने आगे बताया कि यदि तत्कालीन उच्च अधिकारियों द्वारा फील्ड अधिकारियों को कॉलोनाइजर की सभी कॉलोनियों की एनओसी की जांच करने के निर्देश दिए गए होते, और क्योंकि कॉलोनियां आपस में जुड़ी हुई तथा साथ-साथ स्थित थीं, इसलिए बिजली के कुल लोड की गणना एक साथ की जाती, तो 66 केवी सबस्टेशन स्थापित करने का पूरा खर्च कॉलोनाइजर द्वारा वहन किया जाता। उन्होंने आगे बताया कि इस दौरान बिजली मंत्रालय द्वारा सबस्टेशन स्थापित करने संबंधी जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उक्त 66 केवी बसंत एवेन्यू सबस्टेशन तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं थी और यह पाखोवाल लिंक रोड से लगभग 3 किलोमीटर दूर खेतों में स्थित था। इस तथ्य का उल्लेख बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों और चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा प्रस्ताव में या बाद में किसी भी कार्यालय में नहीं किया गया। इसी कारण आज भी उक्त 66 केवी बसंत एवेन्यू सबस्टेशन अविकसित कॉलोनियों और खेतों में स्थित है।

वड़िंग का बिट्टू से सवाल: अगर आप मान को आईएसआई एजेंट जानते हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं करते

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू से पूछा है कि यदि मुख्यमंत्री भगवंत मान सचमुच आईएसआई के एजेंट हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। बिट्टू द्वारा मान को आईएसआई एजेंट बताए जाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वड़िंग ने कहा कि वह (बिट्टू) खुद केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उन्होंने पूछा कि यदि आपके पास मान के आईएसआई एजेंट होने संबंधी कोई जानकारी है, तो आप केंद्रीय गृह मंत्री से जांच कराने की मांग क्यों नहीं करते? अन्यथा पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ यह दोस्ताना मैच खेलना बंद करें।

उन्होंने दोहराया कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच कोई गुप्त समझौता है और दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर फ्रेंडली फायर कर रही हैं, ताकि चर्चा में बनी रहें और उन गंभीर मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके, जिनके लिए दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले मान ने पंजाब में हुए बम धमाकों में भाजपा की संलिप्तता के आरोप लगाए थे और अब बिट्टू मान को आईएसआई एजेंट बता रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उस समय भी कांग्रेस ने मान से पूछा था कि यदि उनके पास राज्य में बम धमाकों में भाजपा की भूमिका की जानकारी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इससे लोगों में यह धारणा और मजबूत हुई है कि आप और भाजपा नेता आपस में दोस्ताना मैच खेल रहे हैं।

वड़िंग ने कहा कि पहले मान द्वारा भाजपा पर बम धमाकों में शामिल होने के आरोप लगाना और अब बिट्टू द्वारा मान को आईएसआई एजेंट कहना, यह सब एक सोची-समझी रणनीति के तहत लोगों का ध्यान केंद्र और राज्य सरकारों की नाकामियों से हटाने के लिए किया जा रहा है, जिनका नेतृत्व क्रमशः भाजपा और आम आदमी पार्टी कर रही हैं।

उन्होंने टिप्पणी की कि दोनों पार्टियां एक-दूसरे की नाकामियों पर जनता की जांच और आलोचना से बचने के लिए आपसी तौर पर एक-दूसरे को कवर देने की कोशिश कर रही हैं, जबकि आप और भाजपा के नेता बिना किसी आगे की कार्रवाई के एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं।

गिरफ्तार आरोपी दुबई आधारित नशा तस्कर के संपर्क में थे: डीजीपी गौरव यादव

दुबई आधारित ड्रग कार्टेल का अमृतसर में भंडाफोड़; 10 किलो आई.सी.ई. और 4 किलो हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो आरोपियों को 10 किलोग्राम आई.सी.ई. (मेथामफेटामाइन) और 4 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां साझा की।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मोहित उर्फ बची (19), निवासी गांव पावार (जालंधर) और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श उर्फ हरमन (23), निवासी कोट खालसा (अमृतसर) के रूप में हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी अबू धाबी/दुबई से नशे का कारोबार चला रहे एक तस्कर के संपर्क में थे, जो इन आरोपियों के जरिए पंजाब और दिल्ली में नशीले पदार्थों की तस्करी करवाता था।

डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहित हाल ही में दुबई से वापस आया था, जहां उसे तस्करी संबंधी प्रशिक्षण दिया गया था और हेरोइन तथा आई.सी.ई. की खेप पहुंचाने का काम सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी आगे माजा और दोआबा क्षेत्रों में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे।

ऑपरेशन संबंधी जानकारी साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए योजनाबद्ध तरीके से पुलिस टीमों ने मोहित उर्फ बची और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श को उस समय गिरफ्तार किया जब वे मोटरसाइकिल पर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से 10 किलोग्राम आई.सी.ई. (मेथामफेटामाइन) और 4 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। सीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान दुबई से लौटे आरोपी मोहित ने खुलासा किया कि उक्त तस्कर मजदूर वर्ग के युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें नशा तस्करी की गतिविधियों के लिए प्रेरित करता था। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि आरोपी अर्शदीप उर्फ अर्श, जो पहले से ही नशा तस्करी की गतिविधियों में शामिल था और दुबई स्थित तस्कर के सीधे संपर्क में था, अज्ञात व्यक्तियों के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप को अपने पास सुरक्षित रखता था और आगे डिलीवरी के लिए मोहित को सौंप देता था। गौरतलब है कि इसी वर्ष फरवरी में भी इसी दुबई आधारित तस्कर के दो साथियों, जिनकी पहचान साहिबप्रीत सिंह उर्फ साहिब और गगनदीप सिंह उर्फ गगन के रूप में हुई थी, को 7.6 किलोग्राम हेरोइन और 21,000 रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा दुबई आधारित तस्कर की मां और बहन इस समय पुलिस स्टेशन राजा सांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत 42 किलोग्राम हेरोइन बरामदगी से संबंधित मामले में केंद्रीय जेल अमृतसर में बंद हैं। सीपी ने कहा कि इस मामले में नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे और पीछे के लिंक खंगाले जा रहे हैं तथा और बरामदगी एवं गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 107 दिनांक 18-05-2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी और 29 के तहत अमृतसर के थाना छेहरटा में मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब ने परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 में देशभर में पहला स्थान हासिल किया, प्रचेष्टा-ग्रेड-1 प्राप्त किया

चंडीगढ़। स्कूली शिक्षा में नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए पंजाब देशभर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में उभरा है। पंजाब ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जारी वर्ष 2024-25 के परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पी.जी.आई.) 2.0 में पहला स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट 2026 में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल होने के महज दो सप्ताह बाद ही पंजाब ने पी.जी.आई. में यह शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि के बारे में आज यहां जानकारी साझा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब ने प्रचेष्टा-ग्रेड 1 (51 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच स्कोर) हासिल किया है। पंजाब के साथ यह उपलब्धि केवल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ ने हासिल की है। राज्य ने केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश को पीछे छोड़ दिया है और इन सभी राज्यों को प्रचेष्टा-ग्रेड 2 में रखा गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पीजीआई 2.0 रैंकिंग राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को छह क्षेत्रों में उनके संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर दी जाती है, जिनमें सीखने के परिणाम और गुणवत्ता, पहुंच, बुनियादी ढांचा एवं सुविधाएं, समानता, प्रशासनिक प्रक्रिया तथा शिक्षक शिक्षा एवं प्रशिक्षण शामिल हैं। स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि पंजाब ने 150.4 के प्रभावशाली स्कोर के साथ सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र सीखने के परिणाम और गुणवत्ताह्व में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र में तीसरी, छठी और नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों की भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में दक्षता का मूल्यांकन किया जाता है और यह शैक्षणिक गुणवत्ता के आकलन का सबसे प्रभावशाली मानदंड है। जिलों के लिए परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई-डी) 2024-25 में बरनाला ने 461 के स्कोर के साथ पूरे राज्य में पहला स्थान हासिल करते हुए प्रतिष्ठित उत्तम-2 ग्रेड प्राप्त किया है। इसके बाद श्री मुक्तसर साहिब, एसबीएस नगर (नवांशहर), होशियारपुर, संगरूर, तरनतारन और मालेरकोटला जिलों का नाम शामिल है। इससे यह साबित होता है कि सभी जिलों में कक्षाओं में उत्कृष्टता सुनिश्चित की गई है। पीजीआई-डी के तहत जिलों को छह प्रमुख क्षेत्रों में रैंकिंग दी जाती है, जिनमें परिणाम, प्रभावी कक्षा संवाद, बुनियादी ढांचा सुविधाएं एवं विद्यार्थियों के अधिकार, स्कूल सुरक्षा और बाल सुरक्षा, डिजिटल शिक्षा तथा प्रशासनिक प्रक्रिया शामिल हैं। इस उपलब्धि के लिए मेहनती और समर्पित शिक्षकों को बधाई देते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, यह आपकी जीत है। आपके सामूहिक प्रयासों के कारण शिक्षा क्रांति एक सोच से हकीकत बनी है। देशभर में सीखने के परिणामों के क्षेत्र में शीर्ष पर होना यह दर्शाता है कि शिक्षा को रटने की बजाय समझने को दी जा रही प्राथमिकता से यह परिणाम हासिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में हमने पुरानी परंपरा को समाप्त कर दिया है। केरल, दिल्ली और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ना हर पंजाबी के लिए गर्व की बात है। पंजाब के सरकारी स्कूल पूरे देश के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। हम केवल स्कूल नहीं बना रहे, बल्कि ऐसा पंजाब तैयार कर रहे हैं जो भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्राचीन कला केंद्र द्वारा हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़ जन-जागरूकता पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन

चंडीगढ़। विश्व स्तर पर अपनी खूबसूरती के लिए विख्यात सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ शहर को हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़ बनाने की दिशा में और लोगों को जागरूक झरने के लिए प्राचीन कला केंद्र के गुरमत संगीत विभाग के प्रमुख डॉ. मलकीत सिंह जंडीयाला द्वारा एक विशेष संगीत संध्या शांति नाद का आयोजन किया जा रहा है। जिसके जरिये लोगों को अनावश्यक रूप से हॉर्न न बजाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्राचीन कला केंद्र के गुरमत संगीत विभाग के प्रमुख डॉ. मलकीत सिंह जंडीयाला और केंद्र के सेक्रेटरी सजल कौसर ने बताया कि हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़ विषय पर एक विशेष जन जागरूकता अभियान का प्रस्ताव केंद्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इस महत्त्वपूर्ण एवं जनहितकारी पहल की गंभीरता को समझते हुए प्राचीन कला केंद्र ने इस विशेष अभियान को अपना पूर्ण सहयोग एवं समर्थन प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चंडीगढ़ शहर में अनावश्यक हॉर्न बजाने से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति नागरिकों को जागरूक करना, जिम्मेदार वाहन संचालन की भावना को प्रोत्साहित करना तथा शांत, स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण की स्थापना करना है। यह पहल स्वच्छ भारत अभियान की भावना के अंतर्गत समाज में नागरिक चेतना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। डॉ. मलकीत सिंह जंडीयाला ने बताया के अगले हफ्ते से ही हमारे वॉलिंटियर चंडीगढ़ के चौक पर खड़े होकर लोगों को अवेयर करेंगे बताया कि जो हम प्रोग्राम करने जा रहे हैं इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के एस एस पी भी शामिल होंगे। इन्होंने बताया कि हमारा यह पहला और अनूठा प्रयास है और हमें विश्वास है यह छोटा सा प्रयास चंडीगढ़ के लोगों को ध्वनि प्रदूषण के लिए अवेयर करेगा।

सीपी-67 में लॉन्च हुआ पंजाबी फिल्म ह्यचढ़दीकलाह्व का ट्रेलर

मोहाली। पंजाबी सिनेमा के लिए गर्व का क्षण बनी फिल्म ह्यचढ़दीकलाह्व का ट्रेलर शुक्रवार को मोहाली स्थित सीपी-67 मॉल में लॉन्च किया गया। खास बात यह रही कि कान्स फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग पाने वाली यह पहली पंजाबी फिल्म बन चुकी है, जिसके बाद दर्शकों और इंडस्ट्री में फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म की स्टारकास्ट और निमार्ता टीम ने मीडिया से बातचीत की। अभिनेत्री रूपी गिल अभिनेता एमी विर्क और अभिनेता हिम्मत संधू ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कलाकारों ने कहा कि ह्यचढ़दीकलाह्व सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि पंजाबी संस्कृति, जज्बे और सकारात्मक सोच को दशार्ने वाली फिल्म है। फिल्म के निमार्ता गुरकरण धालीवाल ने कहा कि कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म की स्क्रीनिंग होना पूरे पंजाबी फिल्म उद्योग के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। यह फिल्म टं4ऱ्हे2 के बैनर तले बनाई गई है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसक और पंजाबी सिनेमा प्रेमी मौजूद रहे। ट्रेलर को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और सोशल मीडिया पर भी फिल्म की चर्चा तेज हो गई है।

पारले-जी जैसा चेहरा बना पहचान विराक, द भारत स्कूल के छात्र को मिला बड़ा मौका

चंडीगढ़/पंचकूला। भारत स्कूल सेक्टर-12 पंचकुला के छात्र, जिसे पारले-जी बिस्किट के प्रसिद्ध चेहरे से हूबहू मिलता-जुलता है, स्कूल में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बच्चे की प्रतिभा और उसकी पहचान को देखते हुए डिजिटल औरा कंपनी ने उसे एक वर्ष के लिए हायर किया है। इस अवसर पर स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र को सम्मानित किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल वंदना शर्मा ने बच्चे को बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व की बात है कि स्कूल के छात्र को इतनी कम उम्र में एक विशेष पहचान मिली है और उसे डिजिटल औरा कंपनी द्वारा एक वर्ष के लिए चयनित किया गया है। प्रिंसिपल ने कहा कि विद्यालय हमेशा विद्यार्थियों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने का कार्य करता है और बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक क्षेत्रों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टाफ, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी बच्चे को शुभकामनाएं दीं तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान बच्चे को सम्मानित किया गया और उसकी उपलब्धि की सराहना की गई। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें सही मंच देना ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है और द भारत स्कूल इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

नीव फाउंडेशन ने शुरू किया समर रिलीफ अभियान

चंडीगढ़/अंबाला। देश के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने के बीच, नीव फाउंडेशन ने भीषण गर्मी से प्रभावित लोगों, बाहरी श्रमिकों, लावारिस पशुओं और पक्षियों के लिए बड़े स्तर पर समर रिलीफ अभियान इस गर्मी, फर्क नजर आएगा शुरू किया है। इस पहल पर बात करते हुए वंडर सीमेंट के डायरेक्टर और नीव फाउंडेशन के संस्थापक विवेक पटनी ने कहा भारत में गर्मियां लगातार ज्यादा कठिन होती जा रही हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो दिनभर खुले में काम करते हैं। इस अभियान के जरिए हमारा उद्देश्य उन लोगों तक तुरंत और आसान राहत पहुंचाना है जो कठिन मौसम के बावजूद हमारे शहरों को चलाए रखते हैं। कई बार सबसे जरूरी मदद सबसे सरल होती है- चाहे वह एक गिलास पानी हो कुछ देर की छांव हो या मुश्किल समय में बुनियादी सहयोग। नीव फाउंडेशन इस अभियान के तहत 60 राहत वैन तैनात कर रहा है, जो भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों और खुले में लंबे समय तक काम करने वाले लोगों तक साफ और ठंडा पीने का पानी पहुंचाएंगी। इनमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी, डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता और ऑटो रिक्शा चालक शामिल हैं।

इजराइल का दक्षिणी लेबनान पर हमला, कम से कम 15 लोगों की मौत

12 गांवों को खाली करने की चेतावनी, नागरिकों और सीरियाई मजदूरों का अपहरण

एजेंसी (हि.स.)
बेरूत (लेबनान)

इजराइल के दक्षिणी लेबनान पर किए गए, ताजा हवाई हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के 12 गांवों को तत्काल खाली करने का आदेश दिया है। 16 अप्रैल को लेबनान और इजराइल के बीच हुए सैन्य विराम (सीज फायर) के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह और लेबनान के बीच घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा। कुछ मीडिया संस्थानों ने अपुष्ट सूत्रों से मरने वालों की संख्या 19 बताई जा रही है।

लेबनान के समाचार पत्र 'लोरिएंट टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने मंगलवार को खूनखराबा करने के साथ दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी के 12 गांवों को खाली करने का आदेश दिया है। इनमें दक्षिण क्षेत्र का अहम गांव नबातीह ताहता भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को इजराइल के हमले में कफर सिर में चार लोग मारे गए। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। मारे गए लोगों की पहचान सफिया बद्र अल-दीन, अली नाजिह कामिहा, नाजिहा कामिहा और अहमद अल-सब्लिनी के रूप में हुई है। बताया गया है कि देइर कानन अल-नहर में इजराइल ने उस हॉल के पास स्थित एक घर को निशाना बनाया। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें चार बच्चे शामिल हैं। नगर परिषद के अध्यक्ष अली कुस्सैर के अनुसार, जिस घर को निशाना बनाया गया वह एक बड़े परिवार का घर था। मलबे के नीचे दबे तीन लोगों को खोजने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इसके अलावा हारौफ (नबातीह) पर हुए इजराइली ड्रोन हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हमला नगरपालिका मुख्यालय के पास हुआ। इसमें गांव की नगरपालिका परिषद के सदस्य नासिर नासर की मौत हो गई। फ्रौन (बिंत जुबैल) पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक और ड्रोन हमले में एक मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई।

फोटोः हि.स.

नबातीह में हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा दोपहर दो बजे इजराइली सैनिकों ने कफर हम्माम और कफर शुबा (हसबया) के बाहरी इलाके से सात लोगों को अगवा कर लिया। सिविल डिफेंस के अनुसार, उनमें से चार लोग सीरियाई मजदूर हैं। इन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। सिविल डिफेंस ने बताया कि तीन नागरिक अभी भी हिरासत में हैं।

अमेरिका ने ईरान पर कसे शिकंजे, विदेशी मुद्रा कंपनी और 19 जहाजों पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। ताजा कार्रवाई में एक विदेशी मुद्रा विनिमय कंपनी, उससे जुड़े कारोबारी नेटवर्क और कई जहाजों को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इन माध्यमों का इस्तेमाल ईरान अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और तेल कारोबार को जारी रखने के लिए कर रहा था। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार हुआमीन एक्सचेंजहू नामक कंपनी ईरानी बैंकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन हस्तांतरण और विदेशी मुद्रा लेन-देन में मदद कर रही थी। वाशिंगटन का दावा है कि यह नेटवर्क संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और हांगकांग सहित कई देशों तक फैला हुआ था और प्रतिबंधों से बचने के लिए जटिल कारोबारी ढांचे का उपयोग कर रहा था।

अमेरिका का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए ईरानी संस्थानों को वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच उपलब्ध कराई जा रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस तरह की गतिविधियां ईरान के खिलाफ पहले से लागू आर्थिक प्रतिबंधों को कमजोर करती हैं। इसी कार्रवाई के तहत अमेरिका ने 19 जहाजों को भी प्रतिबंध सूची में शामिल किया है। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इन जहाजों का इस्तेमाल ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात में किया जा रहा था। वाशिंगटन के अनुसार, इन जहाजों के जरिए विभिन्न देशों तक ऊर्जा उत्पाद पहुंचाए जा रहे थे, जिससे ईरान को आर्थिक लाभ मिल रहा था।

ट्रम्प ने ईरान को फिर दी चेतावनी, सैन्य कार्रवाई की संभावना का किया उल्लेख

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर सख्त बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ईरान कथित रूप से एक नए सैन्य कदम के बेहद करीब पहुंच गया था, लेकिन फिलहाल निर्णय को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैन्य संसाधन पूरी तरह तैयार स्थिति में थे। हालांकि उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तत्काल कार्रवाई को रोककर कूटनीतिक प्रयासों के लिए समय दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रम्प ने कहा कि क्षेत्र के कुछ देशों ने बातचीत और तनाव कम करने की कोशिशों को अवसर देने का आग्रह किया था। माना जा रहा है कि इसी के बाद संभावित कदम को फिलहाल स्थगित किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयान में यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर गंभीर चिंताएं रखता है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दे सकता और इस मुद्दे पर अमेरिका अपना रुख सख्त रखे हुए है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यदि वार्ताओं में अपेक्षित प्रगति नहीं होती है तो आने वाले दिनों में अमेरिकी रणनीति को लेकर नए फैसले लिए जा सकते हैं। हालांकि संभावित सैन्य कार्रवाई के संबंध में अमेरिकी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन रातभर चला रेस्क्यू, श्रद्धालु सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)
केदारनाथ

फोटोः हि.स.

केदारनाथ मंदिर यात्रा मार्ग पर मंगलवार रात हुई तेज बारिश के बाद सोनप्रयागसे गौरीकुंड मार्ग के तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा प्रभावित हो गई। हालांकि जिला प्रशासन, एनडीआरएफ एसडीआरएफ और पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन के अनुसार 19 मई तक 6.94 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। रात में भारी बारिश के कारण मार्ग पर मलबा आने से आवागमन बाधित हो गया था। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्थिति की निगरानी शुरू कर अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। राहत टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच करीब 30 मिनट में पैदल मार्ग को आंशिक रूप से सुचारु कर दिया। इसके बाद रातभर अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और राहत कार्य जारी रखा। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर मार्ग को दोबारा खोल दिया गया। प्रशासन ने कहा है कि यात्रा फिलहाल नियंत्रित ढंग से संचालित की जा रही है और मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पुलिस को घेरकर आरोपी छुड़ाने वालों पर शिकंजा, दरौली कांड में 5 गिरफ्तार

सीवान। जिले में दरौली थाना क्षेत्र के चकरी गांव में पुलिस टीम पर हमला कर अभियुक्त को छुड़ाने के मामले में सीवान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 04 महिला समेत कुल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 मई 2026 को दरौली थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चकरी गांव निवासी रमेश मांझी अपने घर पर अवैध शराब रखकर उसकी खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए दरौली थाना पुलिस टीम ने त्वरित छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 25.84 लीटर अवैध शराब बरामद करते हुए आरोपी रमेश मांझी को हिरासत में ले लिया। इसी दौरान रमेश मांझी के परिजनों एवं अन्य लोगों ने लाठी-डंडे से लैस होकर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पुलिस अभिरक्षा से आरोपी रमेश मांझी को छुड़ाकर फरार करा दिया। घटना में पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए दरौली थाना में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अनुसंधान एवं प्राप्त आसूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त 04 महिला सहित कुल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

शुभेंदु अधिकारी के निजी सहयोगी की हत्या के मामले में पांचवां आरोपित गिरफ्तार

वाराणसी से पकड़ा गया पांचवां आरोपी

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

20 मई (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने वाराणसी से एक और आरोपित को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह चंद्रनाथ रथ की हत्या से जुड़े मामले में पांचवीं गिरफ्तारी है।

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान विनय राय उर्फ पपम राय के रूप में हुई है, जिसे मंगलवार रात को हिरासत में लिया गया। वह मूल रूप से गाजीपुर जिले के जमानी क्षेत्र का निवासी है, लेकिन पिछले कई वर्षों से वाराणसी में रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहा था। सीबीआई ने आरोपित को वाराणसी की स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन की ट्रांजिट रिमांड हासिल कर उसे आगे की पूछताछ के लिए कोलकाता लाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया इनपुट और साक्ष्यों के आधार पर आरोपित को रिजर्व पुलिस लाइंस क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। एजेंसी ने गिरफ्तारी से जुड़ी सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कीं, जिसमें कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करना और मेडिकल जांच शामिल है। इसके बाद आरोपित को अदालत में पेश किया। यह मामला पश्चिम बंगाल पुलिस से सीबीआई को सौंपा गया है। केंद्रीय एजेंसी ने हत्या और आपराधिक साजिश सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है।

इससे पहले आरोपितों मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य (बक्सर, बिहार) तथा राज सिंह (बलिया, उत्तर प्रदेश), को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों का मानना है कि ये सभी कथित तौर पर शूटर्स थे। इसके बाद मंगलवार को ही सीबीआई ने एक अन्य आरोपित राज कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया है। उसके परिवार ने दावा किया है कि उन्हें उसके किसी भी आपराधिक गतिविधि या सह-आरोपितों से संबंध की जानकारी नहीं है।

संक्षिप्त-समाचार

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

गुवाहाटी। गुवाहाटी महानगर के जू-रोड इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जू-रोड के नर्सरी के समीप हुए एक सड़क हादसे में एक राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गुवाहाटी के नयनपुर निवासी प्रदीप कुमार सिंह के रूप में की गई है। दुर्घटना के बाद मौके पर वाहन छोड़कर वाहन चालक घटनास्थल से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, दो व्यक्ति घायल

गुवाहाटी (असम)। गुवाहाटी महानगर के जालुकबारी थाना इलाके में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की वजह से ट्रक का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जालुकबारी थाना क्षेत्र इलाके में स्थित ब्रह्मपुत्र नदी पर बने सराईघाट पुल के निकट ट्रक का चालक ट्रक से अपना नियंत्रण खो दिया। जिसकी वजह से ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ट्रक पलट जाने की वजह से ट्रक का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एन्ड अस्पताल भर्ती कराया गया है। ट्रक हरियाणा रजिस्ट्रेशन का बताया गया है। ट्रक में फ्लिपकार्ट का सामान लदा हुआ था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कछार में पुलिस का अभियान, महिला समेत तीन बांग्लादेशी हिरासत में

कछार (असम)। असम के कछार जिले के काटीगोरा के गुमरा क्षेत्र में पुलिस द्वारा चलाए गए एक अभियान में एक महिला समेत तीन बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बीती रात हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान मोहम्मद आवाल, मोहम्मद हारुण और रीना अख्तर के रूप में हुई है। गुमरा पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि तीनों से पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू की गई है कि वे राज्य में कैसे प्रवेश किए और क्या उनके पीछे किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका है।

डीग में एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट से भीषण आग, भाई-बहन समेत दो बच्चों की मौत

डीग। राजस्थान के डीग जिले के कामां क्षेत्र में मंगलवार शाम एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट के बाद लगी भीषण आग में एक ही परिवार के सात लोग झुलस गए। हादसे में भाई-बहन समेत दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना डीग रोड स्थित बस स्टैंड के सामने एक कोल्ड ड्रिंक गोदाम में शाम करीब पांच बजे हुई। पुलिस के अनुसार सभी घायलों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई। बाद में छह घायलों को जयपुर रेफर किया गया, लेकिन एसएमएस अस्पताल पहुंचने से पहले ही एक अन्य बच्चे ने दम तोड़ दिया। कामां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रसोई गैस सिलेंडर से ईको गाड़ी की गैस किट में गैस भरी जा रही थी। दोनों ईको गाड़ियां गैस किट से संचालित थीं। उन्होंने बताया कि मनमोहन गांव में कोल्ड ड्रिंक एजेंसी चलाता था और सप्लाई के लिए इन गाड़ियों का उपयोग करता था। उसका चचेरा भाई भगवान सिंह किराना दुकान संचालित करता है। दोनों परिवार गोदाम के ऊपर बने मकान में रहते थे। पुलिस के मुताबिक हादसे के समय मनमोहन गाड़ियों में गैस भर रहा था। इसी दौरान एक सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया और आग लग गई। धमाका इतना तेज था कि आग की लपटें सीधे ऊपर बने मकान तक पहुंच गईं। उस समय दोनों परिवारों के सदस्य घर में मौजूद थे। रिश्तेदार छत्तर सिंह ने बताया कि सिलेंडर फटने के बाद आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे परिवार के लोग गंभीर रूप से झुलस गए। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है।

अन्नपूर्णा योजना एक जून से लागू, महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये की सहायता मिलेगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने घोषणा की है कि अन्नपूर्णा योजना एक जून से लागू की जाएगी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जाएंगे। वित्त विभाग द्वारा मंगलवार रात जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग के तहत कैबिनेट ने इस योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसे राज्य की प्रमुख वित्तीय सहायता योजना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। बयान में कहा गया है कि वर्तमान में लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ ले रही महिलाओं को स्वतः ही अन्नपूर्णा योजना में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा होगी। जो महिलाएं पहले से किसी योजना में शामिल नहीं हैं, वे भी एक जून से पोर्टल शुरू होने के बाद आवेदन कर सकेंगी। आवेदकों की आयु 25 से 60 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य होगी। सरकार ने बताया कि आवेदन के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल खोला जाएगा, जहां पात्र महिलाएं अपना फॉर्म जमा कर सकेंगी। आवेदन की जांच कई स्तरों पर की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीओ, शहरी क्षेत्रों में एसडीओ और कोलकाता में नगर निगम के अधिकारी जांच करेंगे, जिसके बाद नगर आयुक्त की मंजूरी से डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सभी आवेदनों की अंतिम मंजूरी से पहले विस्तृत जांच की जाएगी और उसके बाद ही लाभार्थियों के खातों में मासिक सहायता राशि भेजी जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कुछ श्रेणियों के लोग इस योजना के पात्र नहीं होंगे। इनमें केंद्र या राज्य सरकार के स्थायी कर्मचारी, पेंशनभोगी, सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा पंचायत कर्मी शामिल हैं। आयकर दाता भी इस योजना से बाहर रहेंगे। इसके अलावा, जिन व्यक्तियों को 2026 के एसआईआर ढांचे के तहत मृत, लापता या जिनकी नागरिकता पर सवाल है के रूप में चिह्नित किया गया है, उनके मामलों के निपटारे तक उन्हें लाभ नहीं मिलेगा।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स 464 अंक लुढ़का

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

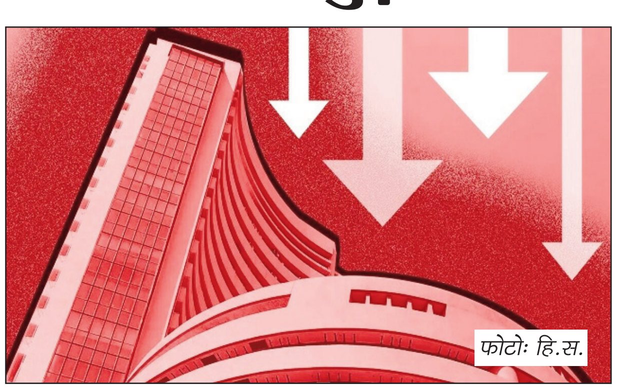
फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स 464 अंक और निफ्टी 88 अंक तक लुढ़क गया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 464.17 अंक यानी 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ 74,736.68 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 87.60 अंक यानी 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 23,530.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, इटर्नल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे। वहीं, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर में तेजी दर्ज की गई है। इसके अलावा एशियाई शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 110.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है, जबकि रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 96.90 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि सेंसेक्स मंगलवार को 114.19 अंक और निफ्टी 31.95 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

मणिपुर में वाहन चोर, 288 एसपी कैप्सूल के साथ दो गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने रिम्स परिसर से हुए वाहन चोरी के मामले में दर्ज प्राथमिकी की जांच के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान थौबल जिले के इरोंग चेसाबा निवासी बोगिमायुम इमारन खान (32) के रूप में हुई है। पुलिस की आधिकारिक जानकारी अनुसार आरोपित को मंगलवार को थौबल जिले के लिलोंग डैम स्थित अंजुमन हीलिंग सेंटर से गिरफ्तार किया गया। वाहन चोरी मामले में आगे की जांच जारी है। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने 18 मई को काकचिंग जिले के काकचिंग थाना क्षेत्र अंतर्गत पल्लेल लाइमनाई चिंगजिन इलाके से चंदेल जिले के लीवा लेइकुन गांव, लीवा सारेई निवासी दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान थ. विनी (52) और आयोला शिंगलाई (55) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 288 एसपी कैप्सूल तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।

नेपाल के हुम्ला जिले में बाढ़ और भूस्खलन, कई मकान क्षतिग्रस्त

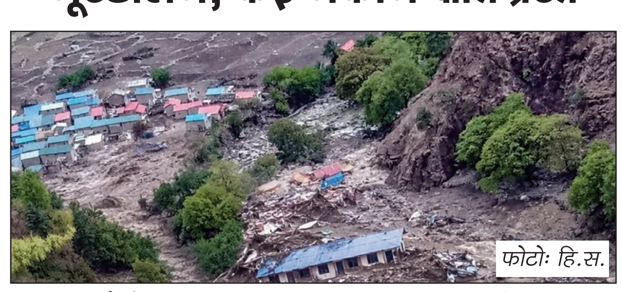
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के हिमाली जिला हुम्ला के चंखेली स्थित नेप्का गांव में आज सुबह अचानक बरसात के बाद आई बाढ़ और उसके बाद हुए भूस्खलन से चंखेली डफि स्थित विद्यालय भवन सहित आसपास के कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। चंखेली के निवासी छक्क बहादुर तमांग के अनुसार, तेज बहाव ने विद्यालय भवन के साथ-साथ खेतीयोग्य जमीन और मवेशी भी बहा दिया। भूस्खलन में चंखेली के वडाध्यक्ष हर्कधन तमांग और धनसिंह तामाङ के घर और मवेशी भी दब गए हैं। वहां मौजूद भेड़-बकरियों को भी नुकसान पहुंचा है। जिला प्रहरी कार्यालय के प्रमुख डीएसपी शंकर खड्का ने बताया कि इस बाढ़ और भूस्खलन से हुई कुल क्षति का विस्तृत विवरण अभी प्राप्त नहीं हो सका है। उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस टोली भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र की ओर रवाना हो चुकी है। हुम्ला सदरमुकाम सिमकोट के उत्तर-पूर्व में स्थित चंखेली गांवपालिका में तल्लो पाली, माथिल्लो पाली, पिप्लाङ और नेप्का समेत चार गांव हैं। गांवपालिका के केंद्र पिप्लाङ से काफी दूर स्थित नेप्का गांव तक पहुंचने के लिए करीब पांच घंटे पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

टाटा स्टील प्लांट में चोरी की कोशिश नाकाम, तीन आरोपित धराए

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी सिंहभूम

फोटोः हि.स.

टाटा स्टील प्लांट परिसर में मंगलवार रात चोरी की एक बड़ी कोशिश को सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते विफल कर दिया। टाटा स्टील सिक्योरिटी टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण तीन युवकों को संदिग्ध गतिविधियों के दौरान पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपित कंपनी के कीमती सामान की चोरी की फिराक में थे, लेकिन सुरक्षा जांच के दौरान उनकी योजना सफल नहीं हो सकी।

घटना रात करीब साढ़े नौ बजे की बताई जा रही है। प्लांट परिसर में नियमित निगरानी और गश्ती के दौरान सिक्योरिटी टीम की नजर तीन संदिग्ध युवकों पर पड़ी। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया। पकड़े गए आरोपित की पहचान जुगसलाई निवासी मो. चांद, मो. बाबू और मो. शहबाज के रूप में हुई है। सुरक्षा अधिकारियों ने तीनों से पूछताछ की, जिसके बाद मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दी गई। बुधवार को टाटा स्टील प्रबंधन की ओर से बताया गया कि प्लांट परिसर की सुरक्षा को लेकर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा टीम की सक्रियता के कारण कंपनी की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश विफल हो गई। घटना के बाद तीनों आरोपितों के खिलाफ कानूनी और विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आगे की प्रक्रिया के तहत आरोपितों को बिष्टुपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

रोष

कोर्ट से जीत के बाद भी जॉइनिंग नहीं

जेपी अस्पताल में एएनएम अभ्यर्थियों का रातभर धरना

महिलाओं में भारी आक्रोश

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के तुलसी नगर स्थित जयप्रकाश (जेपी) हॉस्पिटल परिसर में एएनएम अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। मंगलवार को दिनभर प्रदर्शन करने के बाद भी 20 से 25 महिला अभ्यर्थी रातभर धरने पर डटी रहीं। भीषण गर्मी और खुले आसमान के नीचे महिलाओं का देर रात तक प्रदर्शन जारी रहा, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए परिसर में पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

धरने पर बैठीं महिलाओं ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका साफ कहना है कि जब तक नियमित नियुक्ति (जॉइनिंग) नहीं दी जाती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2023 में एएनएम के नियमित पदों के लिए आवेदन किया था। भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और अनियमितताओं को लेकर मामला कोर्ट तक पहुंचा, जहां फैसला उनके पक्ष में आया। इसके बावजूद अब तक उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई है। धरने में शामिल अभ्यर्थी ममता हिरवे ने बताया कि इससे पहले भी कई बार आंदोलन किए जा चुके हैं। यहां तक कि 9 दिन का आमरण अनशन भी किया गया था। उस दौरान अधिकारियों ने जल्द जॉइनिंग देने का आश्वासन दिया था, लेकिन 9 महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'सिर्फ आश्वासन मिल रहा, हक नहीं'

अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा जारी की जा रही सूचियां महज औपचारिकता बनकर रह गई हैं। बार-बार उन्हीं अभ्यर्थियों के नाम दोहराए जा रहे हैं, जिनकी नियुक्ति पहले ही हो चुकी है, जबकि वर्षों से संविदा पर काम कर रहीं और कोविड काल में सेवाएं दे चुकी महिलाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें सिर्फ झूठाश्वासन का लॉलीपॉप दिया जा रहा है और कोर्ट के आदेशों की भी अनदेखी की जा रही है। इसी वजह से अब वे आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं।

प्रशासन पर बढ़ा दबाव

रातभर जारी रहे इस धरने ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। ऐसे में संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन और उग्र हो सकता है।

आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब

मैनचेस्टर सिटी की ड्रॉ के बाद हुई पुष्टि

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

आर्सेनल ने प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। बुधवार को मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त होने के बाद आर्सेनल की ट्रॉफी जीत पक्की हो गई। इस ड्रॉ के बाद पेप गार्डियोला की टीम मैनचेस्टर सिटी के 78 अंक हो गए हैं, जबकि आर्सेनल के 82 अंक हैं। लीग में अब सिर्फ एक मुकाबला बचा है, ऐसे में सिटी अब आर्सेनल को पीछे नहीं छोड़ सकती।

आर्सेनल ने पिछली बार 2003-04 सीजन में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। उस ऐतिहासिक ह्यइनविंसिबलह्व सीजन में टीम ने आर्सेन वेंगर की कोचिंग में पूरे सीजन में एक भी मैच नहीं गंवाया था। इस सीजन आर्सेनल के लिए विक्टर ग्योकेरेस ने सबसे ज्यादा 14 गोल किए। वहीं मार्टिन ओडेगार्ड और लिएंड्रो ट्रोसार्ड ने छह-छह असिस्ट देकर टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। गोलकीपर डेविड राया ने 19 क्लीन शीट के साथ लगातार तीसरी बार गोल्डन ग्लव अवॉर्ड अपने नाम किया। यह आर्सेनल के मुख्य कोच मिकेल आर्टेटा का भी पहला लीग खिताब है। आर्टेटा ने 2019 में क्लब की कमान संभाली थी। इससे पहले वह साढ़े तीन वर्षों तक पेप गार्डियोला के सहायक कोच रहे थे। प्रीमियर लीग खिताब जीतने के बाद अब आर्सेनल की नजर यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल पर होगी, जहां उसका सामना मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए फखर और साइम अयूब

लाहौर। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी 30 मई से शुरू होने वाली इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इन दोनों खिलाड़ियों को पीसीबी की मेडिकल टीम की देखरेख में 'रिहैबिलिटेशन' (पुनर्वास) कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी गई है। बोर्ड ने फिलहाल इन खिलाड़ियों की चोट के प्रकार या उनके ठीक होने में लगने वाले संभावित समय के बारे में विस्तार से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। हालांकि, पीसीबी के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि दोनों खिलाड़ी क्रमशः घुटने और टखने की समस्या से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस श्रृंखला का पहला वनडे मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि अगले दो मैच दो और चार जून को लाहौर में आयोजित होंगे। दोनों मुख्य सलामी बल्लेबाजों के बाहर होने के बाद अब साहिबजादा फरहान को टीम में शामिल किए जाने की पूरी संभावना है।

पाकिस्तान को 78 रन से हराकर बांग्लादेश ने 2-0 से टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया

एजेंसी (हि.स.)
सिलहट (बांग्लादेश)

बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम के शानदार छह विकेट की मदद से बांग्लादेश ने बुधवार को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 78 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से ऐतिहासिक क्लीन स्वीप कर लिया है। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट मैच भी 104 रन से अपने नाम किया था।

मैच में जीत के लिए मिले 437 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम दूसरी पारी में 358 रन पर आउट हो गई। मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 316 रन से आगे बढ़ाई थी। पाकिस्तान ने सुबह के सत्र में 42 रन तो जोड़े, लेकिन उसने 11.2 ओवर के भीतर अपने बाकी बचे तीनों विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान का निचला क्रम बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने पूरी तरह लाचार दिखा और उसने अपने अंतिम तीन विकेट महज 13 गेंदों के अंदर बिना कोई रन जोड़े खो दिए। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ लगातार दूसरी बार टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया है, इससे पहले उसने साल 2024 में भी 2-0 से जीत हासिल की थी।

पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद रिजवान की 94 रनों की जुझारू पारी भी टीम के काम नहीं आ सकी। रिजवान ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाहिद राणा पर लगातार दो चौके लगाकर पाकिस्तान के इरादे साफ कर दिए थे। दूसरे छोर पर साजिद खान ने भी 28 रन बनाकर खुलकर रन बनाए और बांग्लादेशी गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा, लेकिन ताइजुल इस्लाम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए साजिद खान को आउट किया और रिजवान के साथ उनकी 54 रनों की साझेदारी को तोड़ दिया। इस विकेट के साथ ही ताइजुल ने टेस्ट मैचों में 18वीं बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने कुल 34.2 ओवरों में 120 रन देकर छह विकेट चटकाए। साजिद के आउट होने के अगले ही ओवर में रिजवान भी शोरिफुल इस्लाम की गेंद पर गली में कैच दे बैठे। इसके बाद ताइजुल ने खुर्रम शहजाद को शून्य पर आउट करके पाकिस्तान की पारी का अंत कर दिया। बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने भी 71 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

सुपर शतरंज क्लासिक में बोगदान-डेनियल से प्रज्ञाननंदा का सामना

एजेंसी (हि.स.)
बुखारेस्ट (रोमानिया)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा प्रतिष्ठित ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट के तहत खेली जा रही 'सुपर शतरंज क्लासिक' प्रतियोगिता के छठे दौर में रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी की कोशिश लगातार हो रहे ड्रॉ के सिलसिले को तोड़कर जीत दर्ज करने की होगी।

प्रतियोगिता में पांच दौर के मुकाबलों के बाद जर्मनी के विन्सेंट कीमर 3.5 अंकों के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। उनके ठीक पीछे नीदरलैंड के अनीश गिरी, जॉर्डन वैन फोरस्ट, शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फैबियानो कारुआना और भारत के प्रज्ञाननंदा तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। कारुआना ने चौथे दौर के स्थगित मैच में फ्रांस के अलीरेजा फि रोजा को शिकस्त देकर यह स्थान हासिल किया। फिरोजा के टखने में चोट की वजह से यह मैच पहले टाल दिया गया था, जिसे बाद में विश्राम के दिन (रेस्ट डे) खेला गया। अंक तालिका में अन्य खिलाड़ियों की स्थिति देखें तो फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और वेस्ली सो 2.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं। उनके ठीक पीछे विश्व चैम्पियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव दो अंकों के साथ बने हुए हैं। रोमानिया के बोगदान-डैनियल 1.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं और वे फिरोजा से आधा अंक आगे चल रहे हैं। भारतीय स्टार प्रज्ञाननंदा ने दूसरे दौर में सिंदारोव पर एकमात्र जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उनके अगले चार मैच ड्रॉ रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी तालिका में छठे स्थान पर खिसका भारत

दुबई। बांग्लादेश द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप करने का नुकसान भारतीय क्रिकेट टीम को उठाना पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में भारतीय टीम अब छठे स्थान पर खिसक गई है, जबकि बांग्लादेश भारत को पछाड़कर आगे निकल गया है। बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 78 रन से हराया, जबकि इससे पहले मीरपुर में खेला गया पहला टेस्ट मैच उसने 104 रन के बड़े अंतर से जीता था। अंक तालिका की बात करें तो बांग्लादेश के अब चार टेस्ट मैचों में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 58.33 प्रतिशत अंक हो गए हैं। इसके मुकाबले भारत के नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 प्रतिशत अंक हैं। हालांकि, पहले दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाली भारतीय टीम एशियाई देशों की रैंकिंग में अभी भी पाकिस्तान से ऊपर है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली इस भारतीय टीम ने इस साल अब तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। भारत का अगला मुकाबला छह जून से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के रूप में होगा, लेकिन यह मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल टीम का ऐलान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडिस शामिल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पुर्तगाल ने मंगलवार को आगामी फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर टीम की अगुवाई करेंगे। उनके साथ ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा और वितिन्हा जैसे कई स्टार खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। 41 वर्षीय रोनाल्डो अपने करियर का रिकॉर्ड छठा फीफा विश्व कप खेलने उतरेंगे। इस उपलब्धि के साथ वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और मेक्सिको के गोलकीपर गिलर्मो ओचोआ की सूची में शामिल हो जाएंगे।

यूरो 2016 चैंपियन पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका सामना डीआर कांगो, कोलंबिया और उज्बेकिस्तान से होगा। विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले पुर्तगाल की टीम चिली और नाइजीरिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 17 जून को डीआर कांगो के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। वहीं 23 जून को उज्बेकिस्तान और 27 जून को कोलंबिया से मुकाबला होगा।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल की टीम

गोलकीपरः डियोगो कोस्टा, जोसे सा, रुई सिल्वा, रिकार्डो वेल्हो

डिफेंडरः डियोगो डालोट, मैथियस नून्स, नेल्सन सेमेडो, जोआओ कैंसिलो, नूनो मेंडेस, गोंकालो इनासियो, रेनाटो वेइगा, रुबेन डायस, टोमस अराउजो

मिडफील्डरः रुबेन नेवेस, जोआओ नेवेस, वितिन्हा, ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा, जोआओ फेलिक्स, फ्रांसिस्को ट्रिंकाओ, फ्रांसिस्को कॉन्सेइसाओ, सामू कोस्टा

फॉरवर्डः पेड्रो नेटो, राफेल लियाओ, गोंकालो गुएडेस, गोंकालो रामोस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

कलाई की चोट के कारण विंबलडन 2026 से बाहर हुए कार्लोस अल्कराज

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली,

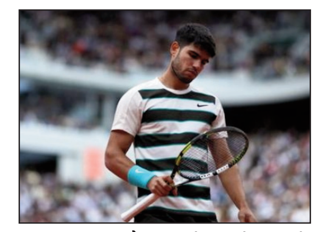

20 मई (हि.स.)। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने आगामी विंबलडन 2026 से हटने का फैसला किया है। अल्कराज ने बताया कि वह कलाई की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण वह घास के कोर्ट सीजन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

अल्कराज ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्लमेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन दुर्भाग्य से मैं अभी खेलने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हूं। इसी वजह से मुझे क्वींस और विंबलडन से हटना पड़ रहा है। ये दोनों टूर्नामेंट मेरे लिए बेहद खास हैं और मैं इन्हें बहुत मिस करूंगा। हम जल्द वापसी के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।

23 वर्षीय अल्कराज इससे पहले फ्रेंच ओपन 2026 से भी हट चुके हैं, जहां वह गत चैंपियन थे। उन्हें पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर के मुकाबले के दौरान कलाई में चोट लगी थी। उन्होंने उस मैच में ओटो विटार्नेन को हराया था, लेकिन बाद में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। अल्कराज ने इसी साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 का रहा है और उन्होंने दोहा में भी खिताब अपने नाम किया। मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद अल्कराज ने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग भी गंवा दी थी।

फिटनेस के चक्कर में ज्यादा प्रोटीन लेने से बिगड़ सकता है स्वास्थ्य

प्रोटीन की कमी से जिस तरह शरीर में कई दिक्कतें हो सकती हैं, ठीक उसी तरह बहुत अधिक प्रोटीन का सेवन आपके शरीर को गंभीर नुकसान भी पहुंचा सकता है। संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन सुरक्षित है। आज के समय में फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए लोग प्रोटीन का सेवन बढ़ा रहे हैं, लेकिन हर चीज की तरह इसका संतुलन भी जरूरी है। प्रोटीन शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो मांसपेशियों के निर्माण, ऊर्जा और शरीर की मरम्मत में मदद करता है। हालांकि, जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। कई लोग बिना डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह के हाई प्रोटीन डाइट अपना लेते हैं, जिससे शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि प्रोटीन का सेवन सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए। आइए जानते हैं कि ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर को क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

किडनी पर बढ़ता है दबाव

हाई प्रोटीन डाइट का सबसे बड़ा और सीधा असर किडनी पर पड़ता है। शरीर को अतिरिक्त प्रोटीन को मेटाबोलाइज और फिल्टर करने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे किडनी पर काम का बोझ बढ़ जाता है और लंबे समय तक ऐसा रहने पर किडनी फंक्शन कमजोर हो सकता है। जिन लोगों को पहले से किडनी से जुड़ी कोई समस्या है, उनके लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है।

डिहाइड्रेशन की समस्या

ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर को उसे पचाने और उसके अपशिष्ट (जैसे यूरिया) को बाहर निकालने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है। अगर आप हाई प्रोटीन डाइट के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसके कारण सिर दर्द, अत्यधिक थकान और कमजोरी जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

पाचन संबंधी दिक्कतें

अक्सर हाई प्रोटीन डाइट लेने के चक्कर में लोग भोजन में फाइबर की मात्रा कम कर देते हैं, जिसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे कब्ज , गैस, पेट फूलना और भारीपन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। कई लोग प्राकृतिक भोजन की जगह सिर्फ प्रोटीन सप्लीमेंट्स पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे यह समस्या और गंभीर रूप ले लेती है।

वजन बढ़ने की संभावना

अक्सर लोग सोचते हैं कि प्रोटीन से वजन कम होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा प्रोटीन शरीर में अतिरिक्त कैलोरी के रूप में जमा होने लगता है। यदि इस अतिरिक्त कैलोरी को बर्न न किया जाए, तो शरीर इसे फैट (वसा) के रूप में स्टोर कर लेता है। इससे वजन घटने के बजाय बढ़ने की संभावना रहती है, खासकर तब जब आपकी शारीरिक गतिविधि या वर्कआउट कम हो।

सावधान ! शरीर में थमार्मीटर की तरह बढ़ता है हीट स्ट्रोक

गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रोक (लू लगना) का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। सबसे बड़ी बात यह है कि लोग अक्सर इसके शुरूआती लक्षणों को सामान्य थकान या कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर जानलेवा साबित हो सकता है। गर्मी का मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है, जिनमें सबसे खतरनाक स्थिति हीट स्ट्रोक की होती है। यह तब होता है जब शरीर का तापमान असामान्य रूप से बहुत बढ़ जाता है और शरीर का आंतरिक सिस्टम उसे नियंत्रित नहीं कर पाता। तेज धूप में लंबे समय तक रहना, पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) और शरीर का ओवरहीट होना इसके मुख्य कारण हैं। शुरूआत में इसके लक्षण सामान्य कमजोरी जैसे लगते हैं, जिससे लोग लापरवाही बरत जाते हैं। अगर समय रहते इन संकेतों को पहचान लिया जाए, तो किसी भी गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, हीट स्ट्रोक के इन 5 लक्षणों को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

तेज सिर दर्द

हीट स्ट्रोक का सबसे पहला और आम लक्षण है अचानक से तेज सिर दर्द होना। यह दर्द सामान्य सिर दर्द से काफी अलग और तीव्र होता है। अक्सर धूप में ज्यादा देर रहने या शरीर का तापमान बढ़ने पर यह तेजी से उभरता है। लोग इसे मामूली थकान समझकर टाल देते हैं, जबकि ऐसे में तुरंत किसी ठंडी या छायादार जगह पर जाकर आराम करना चाहिए।

चक्कर आना और कमजोरी

जब शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स (इलेक्ट्रोलाइट्स) की भारी कमी हो जाती है, तो सिर घूमने लगता है और लगातार चक्कर आने लगते हैं। इसके साथ ही शरीर में इतनी कमजोरी महसूस होती है कि चलने-फिरने में भी दिक्कत होने लगती है। यह इस बात का साफ संकेत है कि शरीर डिहाइड्रेशन की गंभीर स्थिति में पहुंच रहा है और उसे तुरंत पानी या ओआरएस (डफर) की जरूरत है।

अत्यधिक पसीना या पूरी तरह बंद हो जाना

हीट स्ट्रोक की शुरूआत में शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए बहुत ज्यादा पसीना छोड़ता है। लेकिन जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती है और शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम पूरी तरह फेल हो जाता है, तो पसीना आना बिल्कुल बंद हो जाता है। त्वचा सूखी और गर्म हो जाती है। पसीना बंद होना एक बेहद खतरनाक संकेत माना जाता है।

उल्टी और जी मिचलाना

अत्यधिक गर्मी के कारण जब शरीर का आंतरिक संतुलन बिगड़ने लगता है, तो जी मिचलाने और उल्टी होने की समस्या शुरू हो जाती है। कई लोग इसे पेट की सामान्य गड़बड़ी, गैस या फूड पॉइजनिंग समझ बैठने की गलती कर देते हैं, जबकि यह असल में हीट स्ट्रोक का बढ़ता हुआ असर हो सकता है।

तेज बुखार और भ्रम की स्थिति

हीट स्ट्रोक होने पर शरीर का तापमान बहुत तेजी से बढ़ जाता है, जिससे व्यक्ति को तेज बुखार आ जाता है। इस स्थिति में मरीज का दिमाग सही तरीके से काम नहीं कर पाता, जिससे भ्रम, बेचैनी, घबराहट या बेहोशी तक छा सकती है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी स्थिति होती है और इसमें बिना समय गंवाए तुरंत डॉक्टर की मदद लेना बेहद जरूरी होता है।

गर्मी में लाल-सूजी आंखों को बार-बार मलने की न करें भूल

गर्मी के मौसम में तेज धूप और धूल की वजह से अक्सर लोगों की आंखों में खुजली होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में लापरवाही बरतने पर गंभीर आई इंफेक्शन या एलर्जी का खतरा बढ़ जाता है। आइए जानते हैं इससे बचाव के जरूरी उपाय। गर्मी का मौसम सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि आंखों के लिए भी कई परेशानियां लेकर आता है। तेज धूप, धूल, पसीना और गर्म हवाओं (लू) की वजह से आंखों में खुजली, जलन और लालपन की समस्या तेजी से बढ़ने लगती है। कई लोग खुजली होने पर लगातार आंखें मलते रहते हैं, जिससे इंफेक्शन का खतरा और ज्यादा बढ़ सकता है। खासकर जो लोग काम के सिलसिले में लंबे समय तक बाहर रहते हैं या फिर मोबाइल और लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, उन्हें यह परेशानी अधिक होती है। डॉक्टरों के मुताबिक, गर्मी में आंखों की विशेष देखभाल बेहद जरूरी है। कुछ आसान घरेलू उपाय और सावधानियां अपनाकर आप अपनी आंखों को पूरी तरह स्वस्थ रख सकते हैं।

ठंडे पानी से आंखें धोएं

गर्मी के मौसम में जब भी बाहर से आएं, दिन में कम से कम 2 से 3 बार साफ और ठंडे पानी से अपनी आंखें जरूर धोएं। इससे आंखों को तुरंत ठंडक मिलती है और उनमें जमा धूल, मिट्टी या पसीना साफ हो जाता है। ध्यान रखें कि आंखों को धोने के लिए बहुत ज्यादा बर्फ वाले पानी का इस्तेमाल करने से बचें, सामान्य ठंडा पानी ही सबसे बेहतर है।

आंखों को बार-बार न मलें

आंखों में खुजली होने पर लोग अक्सर उन्हें हाथों से रगड़ने या मलने लगते हैं, जो काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है। हमारे हाथों में मौजूद बैक्टीरिया आंखों में आसानी से संक्रमण फैला सकते हैं। लगातार आंखें मलने से उनका लालपन, सूजन और जलन की समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है। अगर खुजली हो, तो मलने के बजाय साफ पानी से छींटे मारें।

सनग्लासेस का इस्तेमाल करें

धूप में बाहर निकलते समय अल्ट्रावॉयलेट (वश) किरणें और उड़ती धूल सीधे आंखों पर हमला करती हैं, जिससे आंखों में एलर्जी और ड्राईनेस (सूखापन) होने लगती है। इसलिए जब भी घर से बाहर निकलें, अच्छी गुणवत्ता वाले वश प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस (धूप का चश्मा) जरूर पहनें। यह आंखों को गर्म हवाओं और सीधी धूप से बचाता है।

स्क्रीन टाइम कम करें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए मोबाइल, टीवी या लैपटॉप की स्क्रीन को देखने से आंखों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। इससे आंखों में थकान, दर्द, जलन और पानी आने जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में डॉक्टर 20-20-20 नियम अपनाने की सलाह देते हैं; यानी हर 20 मिनट के काम के बाद, 20 सेकंड के लिए, कम से कम 20 फीट दूर रखी किसी वस्तु को देखें।

साफ तौलिया और रुमाल का प्रयोग

आंखें शरीर का सबसे संवेदनशील हिस्सा हैं, इसलिए इनकी साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें। किसी दूसरे के या गंदे तौलिये, रुमाल से अपनी आंखें न पोंछें। ऐसा करने से बैक्टीरिया या आई फ्लू का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है। हमेशा धुले हुए साफ कपड़े का ही इस्तेमाल करें।

बिना डॉ. सलाहा के न डालें आई ड्रॉप्स

अक्सर लोग आंखों में मामूली खुजली या लालपन होने पर सीधे मेडिकल स्टोर से कोई भी आई ड्रॉप खरीदकर डाल लेते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, यह आदत बेहद खतरनाक हो सकती है क्योंकि गलत या स्टेरॉयड युक्त ड्रॉप्स आंखों की रोशनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर आंखों में समस्या ज्यादा बढ़ रही हो, तो तुरंत किसी योग्य नेत्र विशेषज्ञ (ओफ्थल्मोलॉजिस्ट) से संपर्क करें।

प्रशासक कटारिया ने दिया पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का संदेश

बुधवार को पेट्रोल-डीजल वाहनों के उपयोग से परहेज कर पेश की नई मिसाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का समर्थन करते हुए ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल की। राज्यपाल ने अपने आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए पेट्रोल एवं डीजल वाहनों का उपयोग न कर सार्वजनिक एवं वैकल्पिक परिवहन साधनों का प्रयोग कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में खाड़ी देशों में उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोलियम संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ईंधन की बचत करने की अपील की गई थी। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने निर्णय लिया कि वे प्रत्येक बुधवार को पेट्रोल एवं डीजल चालित वाहनों का उपयोग नहीं करेंगे।

आज प्रातः राज्यपाल अपने स्टाफ सहित इलेक्ट्रिक बस के माध्यम से बलटाना में रेलवे अंडर ब्रिज के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे। इसके उपरांत वे यू.टी. सचिवालय, चंडीगढ़ तक इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट से गए। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। चंडीगढ़ प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी ईंधन संरक्षण और सतत परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइकिल, पैदल, सीटीयू बसों तथा कारपूलिंग के माध्यम से आवागमन कर इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई।

मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी पहलें भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकती हैं। उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता से भी अपील की कि वे सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहनों, साइकिल तथा अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग करें।

उन्होंने आगे कहा कि चंडीगढ़ में इस पहल के सकारात्मक परिणाम आने के बाद वे पंजाब सरकार से भी इसी प्रकार के वैकल्पिक एवं पर्यावरण हितैषी उपायों को अपनाने का आग्रह करेंगे।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए आम जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि देशहित में सामूहिक प्रयास ही भविष्य की चुनौतियों का समाधान बन सकते हैं।

चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने नो व्हीकल बुधवार पहल में लिया भाग

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया के आन पर चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा पर्यावरण अनुकूल एवं सतत परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नो व्हीकल बुधवार मनाया गया। चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साइकिल, पैदल चलकर, सीटीयू बसों, कारपूलिंग तथा ई-वाहनों के माध्यम से कार्यालय पहुंचकर इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस पहल का उद्देश्य ईंधन संरक्षण, सतत गतिशीलता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद ने साइकिल से कार्यालय पहुंचकर इस अभियान का नेतृत्व किया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से भी फिटनेस के लिए साइकिल का उपयोग करते हैं तथा इस अभियान को ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और सतत परिवहन को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों में जनभागीदारी राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है तथा शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधनों को अपनाने की अपील की। इस पहल में गृह सचिव श्री मंदीप सिंह बराड़, चंडीगढ़ पुलिस के डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईजीपी श्री पुष्पेंद्र कुमार, निदेशक जनसंपर्क श्री राजीव तिवारी, खेल निदेशक श्री सौरभ कुमार अरोड़ा तथा मुख्य अभियंता श्री सी.बी. ओझा साइकिल से कार्यालय पहुंचे, जबकि शिक्षा सचिव सुश्री प्रेरणा पुरी एवं उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव पैदल अपने कार्यस्थल तक पहुंचे। आईटी सचिव श्री डी. कार्तिकियन, अतिरिक्त सचिव गृह श्री अमित कुमार, निदेशक परिवहन श्री अविकेश गुप्ता तथा अतिरिक्त सचिव एचएसी श्री अखिल कुमार ने सीटीयू बसों का उपयोग किया। वहीं, समाज कल्याण विभाग की सचिव सुश्री अनुराधा एस. चगती, समाज कल्याण विभाग की निदेशक सुश्री राधिका सिंह तथा तकनीकी शिक्षा निदेशक सुश्री पालिका अरोड़ा ने कारपूलिंग का विकल्प अपनाया, जबकि निदेशक स्कूल शिक्षा श्री नितिश सिंगला ई-वाहन से कार्यालय पहुंचे। यह पहल ईंधन संरक्षण, ट्रैफिक जाम एवं प्रदूषण में कमी लाने के साथ-साथ सतत परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। साथ ही यह पैदल चलने और साइकिल चलाने के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली और समग्र स्वास्थ्य के महत्व को भी रेखांकित करती है।

पंचकूला में गर्मी का प्रकोप बढ़ने की आशंका उपायुक्त शर्मा ने जारी की एडवाइजरी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- दोपहर में धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएं : उपायुक्त सतपाल शर्मा
- हीट वेव के दौरान बच्चों, बुजुर्गों और पशु-पक्षियों का रखें विशेष ध्यान

मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार जिला पंचकूला में आगामी दिनों के दौरान हीट वेव (लू) चलने की संभावना को देखते हुए उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री सतपाल शर्मा ने जनहित में एडवाइजरी जारी की है। उपायुक्त ने जिलावासियों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि लोग पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगी हो। उन्होंने दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी। बाहर जाते समय छाता, टोपी, गमछा या सिर ढकने का उपयोग करें तथा हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें।

उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखा जाए। भारी, तला-भुना भोजन और शरीर में पानी की कमी करने वाले पदार्थों से बचें। ओआरएस, लस्सी, छाछ और नींबू पानी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करें। खेतों और खुले स्थानों पर काम करने वाले लोग समय-समय पर छांव में आराम करें। उपायुक्त ने बताया कि लू लगने के लक्षण जैसे तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, सांस लेने में कठिनाई और उल्टी होने पर तुरंत ठंडी या छायादार जगह पर जाएं तथा पानी या ओआरएस का सेवन करें। स्थिति गंभीर होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

उन्होंने पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए भी लोगों से अपील की कि घरों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। पशुओं को छायादार स्थान पर रखें और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं। उन्हें गर्म सतहों जैसे तारकोल की सड़क या गर्म रेत पर न घुमाएं तथा किसी भी स्थिति में वाहन के अंदर न छोड़ें। उपायुक्त ने कहा कि बढ़ते तापमान और हीट वेव से बचाव के लिए सभी नागरिक सतर्क रहें, सावधानियां अपनाएं और सुरक्षित रहें।

वैश्विक शिक्षा रुझानों और नवाचारों पर एसडी कॉलेज में एक्सपर्ट लेक्चर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) की ओर से यूनिवर्सिटी ऑफ द फ्रेजर वैली, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा के सहयोग से डिसरप्शन के दौर में ग्लोबल ट्रेंड्स और बेस्ट एजुकेशन प्रैक्टिसेज विषय पर एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शोभना जया-माधवन थीं, जो मचमैजिक ग्लोबल कंसल्टेंसी की संस्थापक एवं सीईओ तथा बीसी-इंडिया बिजनेस नेटवर्क की सह-अध्यक्ष हैं। नेतृत्व रणनीति और परिवर्तनकारी परामर्श के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाली सोभना जया-माधवन ने सरकार, उच्च शिक्षा और उद्योग जगत में अपने व्यापक अनुभव के आधार पर शिक्षा के बदलते वैश्विक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। लेक्चर की शुरूआत एजुकेशन इन द एज ऑफ डिसरप्शनः हाउ टू टीच, ट्रांसफॉर्म एंड इंस्पायर स्टूडेंट्स पर चर्चा से हुई, जिसमें शोभना ने एक्सपीरिएंशियल लर्निंग, इनक्लूसिव एजुकेशन और स्टूडेंट्स में क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उनके संबोधन ने एजुकेटर्स को बदलाव अपनाने और समाज में सार्थक बदलाव के लिए कैटलिस्ट बनने के लिए प्रोत्साहित किया। सेशन के दौरान, उन्होंने एजुकेशन, स्किल और करियर डेवलपमेंट में आजकल के ग्लोबल ट्रेंड्स और भविष्य के लिए तैयार स्टूडेंट्स को बनाने में एजुकेटर्स की बदलती भूमिका पर बात की। उन्होंने दुनिया भर में एजुकेशन सिस्टम को बदलने में कोलेबोरेटिव लर्निंग, इनोवेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस और अडैप्टिव टीचिंग मेथडोलॉजी के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर उभरते रुझानों, नवीन शिक्षण पद्धतियों और शिक्षा के बदलते स्वरूप को समझने का अवसर मिलता है।

संक्षिप्त-समाचार

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु चंडीगढ़ प्रशासन ने जनभागीदारी का किया आह्वान

चंडीगढ़। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की प्रथम बैठक श्री एच राजेश प्रसाद, मुख्य सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण, अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण, कचरा उत्पादन में कमी, कचरा संग्रहण प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों, बल्क वेस्ट जनरेटर्स, लीड फैसिलिटेटर्स, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, गेटेड कम्युनिटीज एवं शहरी स्थानीय निकायों सहित सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। समिति ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या 6174/2023 में दिनांक 19.02.2026, 29.04.2026 एवं 05.05.2026 को पारित आदेशों के अनुपालन में विभिन्न हितधारकों द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित पक्षों को निर्देश दिए कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित समयावधि में अनुपालन किया जाए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छता एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन एवं जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के अंतर्गत अपने कर्तव्यों का पालन करें तथा दैनिक जीवन में जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन की आदतें अपनाएं।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में पंचकूला में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पंचकूला। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में महानिदेशक आयुष विभाग हरियाणा श्री संजीव वर्मा के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन पंचकूला एवं आयुष विभाग के द्वारा 21 जून को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। डा दिलीप कुमार मिश्रा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, पंचकूला की अध्यक्षता में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के तहत आज प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई व डीपीआई को आयुष विभाग के योग विशेषज्ञा व खेल विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम में आज ताऊ देवी लाल स्टेडियम, सैक्टर-3, पंचकूला में लगभग 70 से अधिक स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई व डीपीई को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण शिविर का आंरभ प्रार्थना मंत्र के उच्चारण से किया गया । तदोपरांत योग क्रियाओं जैसे ताडासन, वृक्षासन, पादहस्त, अर्धचक्रासन, वज्रासन, उत्तानमंडुक, उष्ट्रासन, वक्रासन, मक्रासन, शलभासन, सेतुबंध, उत्तानपादासन, पवनमुक्त, अर्धहलासन, अनुलोम विलोम, कपालभाती, भ्रामरी का अभ्यास करवाते हुए इन यौगिक क्रियाओं द्वारा होने वाले लाभों की भी जानकारी दी गई। इस योग शिविर में आयुष विभाग के योग विशेषज्ञा रितू मित्तल उपस्थित रही।

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत खंड मोरनी व पिंजौर की बीपीआईयू सम्पन्न

पंचकूला। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत मोरनी व खंड पिंजौर की ब्लॉक प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट की मई माह की मासिक बैठकों का आयोजन सम्बंधित खंड शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में समापन हुआ जिसमें जिला फएलएन समन्वयक एवं जिला पंचकूला में निपुण के नोडल अधिकारी असिन्द्र कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहें। खंड मोरनी में खंड शिक्षा अधिकारी शालिनी कपूर व पिंजौर में खंड शिक्षा अधिकारी कर्मवीर की अध्यक्षता में बीपीआईयू का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सविता व सिम्मी शर्मा नें पीपीटी के माध्यम से क्लस्टर व विद्यालय वार एनरोलमेंट प्रगति, मेटर,मॉनिटर विजिट कंप्लायंस, क्लास रेडीनेस कार्यक्रम प्रगति, मेंटर रहित क्लस्टर की कार्ययोजना व विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों की के आबँटन को विस्तार से प्रस्तुत किया। खंड मोरनी की बीपीआईयू में प्रिंट रिच कक्षा कक्ष प्रतियोगिता में प्रोमिला प्राथमिक विद्यालय जल्लाह,रवि दत्त जीपीएस देओरा,निशा भोंसले जीपीएस शिलियों,संजीव कुमार जीपीएस बल्दवाला व प्रदीप कुमार जीपीएस कोटी को उत्कृष्ट प्रिंट रिच कक्षा कक्ष के लिए सम्मानित किया गया सम्मानित भी किया गया। प्रत्येक बैठक में संबंधित ब्लॉक्स के मेंटोर्स उपस्थित रहे। पिंजौर खंड की बैठक का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिंजौर व मोरनी की बैठक का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 7 में हुआ।

राज्यपाल ने किया मयंक की 50 वर्षों की रचनात्मक यात्रा पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कुछ लोग केवल उम्र के पड़ाव तय नहीं करते, बल्कि अपने संघर्ष, संवेदनाओं, शब्दों और कर्मों से समय के पन्नों पर अपनी पहचान दर्ज कर जाते हैं। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समाजसेवी मयंक मिश्रा की 50 वर्षों की ऐसी ही प्रेरक जीवन-यात्रा को शब्दों और चित्रों में सहेजती एक विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने किया। राज्यपाल ने इस कॉफी टेबल बुक की सराहना की।

यह कॉफी टेबल बुक केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि संघर्ष, साधना, संवेदनाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता की जीवंत गाथा है। इसके प्रत्येक पृष्ठ पर मयंक मिश्रा के जीवन के वे रंग उभरते हैं, जिन्होंने उन्हें पत्रकारिता, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। पुस्तक में उनके जीवन के उन अनगिनत पड़ावों को सहेजा गया है, जहां चुनौतियों ने उन्हें परखा, लेकिन उन्होंने हर कठिनाई को अपनी ताकत में बदल दिया।

उल्लेखनीय है कि मयंक मिश्रा आगामी 1 जून को अपने जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं। जीवन की इस आधी सदी में उन्होंने शब्दों को केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि उन्हें समाज की संवेदनाओं और मानवीय रिश्तों की खुशबू से भी जोड़ा। उनकी अब तक 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिन्होंने साहित्य प्रेमियों के बीच अपनी अलग जगह बनाई है।

वर्ष 2018 में चंडीगढ़ साहित्य अकादमी ने उनके चर्चित कहानी संग्रह रिश्ते को सर्वश्रेष्ठ पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया था। इसके बाद वर्ष 2021 में प्रकाशित उनकी पुस्तक रिश्तों की महक में 20 लघु कहानियों के माध्यम से मानवीय संबंधों की गहराई और संवेदनाओं को बेहद आत्मीयता से उकेरा गया। वहीं, वर्ष 2019 में प्रकाशित कहानी संग्रह गूंगी ने भी साहित्यिक जगत में अपनी गहरी छाप छोड़ी। इस पुस्तक का चयन चंडीगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा ग्रांट-इन-एड के लिए किया गया था। मयंक अपनी प्रकाशित पुस्तकों को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रणब मुखर्जी सहित तत्कालीन उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू तथा देश के कई राज्यपालों को भी भेंट कर चुके हैं।

सिर्फ साहित्य ही नहीं, समाजसेवा के क्षेत्र में भी मयंक मिश्रा का योगदान उल्लेखनीय रहा है। समाज के प्रति उनके समर्पण और सेवा भाव को सम्मान देते हुए प्रशासन ने वर्ष 2017 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्हें स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया था। यह कॉफी टेबल बुक दरअसल उस इंसान की कहानी है, जिसने शब्दों को संवेदनाओं की रोशनी दी, रिश्तों को अर्थ दिए और समाज के दर्द को अपनी लेखनी के जरिए आवाज दी।

लखविंदर सिंह लाखा द्वारा दिए गए प्यार और सम्मान के लिए धन्यवाद : हरमीत सिंह कालका

एजेंसी
नई दिल्ली

सरदार हरमीत सिंह कालका, अध्यक्ष, दिल्ली सिख गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आज यहां बताया कि तख़्त श्री पटना साहिब प्रबंधन समिति के मीत (मित्र) अध्यक्ष और बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह लाखा के साथ हुई मुलाकात बहुत ही सद्भावना व माहौल में हुई। सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि सिख संस्थाओं की मजबूती, पंथिक एकता और सामाजिक भलाई के लिए आपसी सहयोग समय की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तख़्त श्री पटना साहिब जैसी महान धार्मिक संस्था से जुड़े पदाधिकारियों की सेवा भावना सिख समुदाय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान मिले प्यार, हार्दिक स्वागत और सम्मान के लिए वे सरदार लखविंदर सिंह लाखा के हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मुलाकातें न केवल आपसी रिश्तों को मजबूत करती हैं, बल्कि सिख संस्थाओं के बीच साझेदारी और तालमेल को भी और प्रबल बनाती हैं। सरदार कालका ने कहा कि वे आरदास करते हैं कि सरदार लखविंदर सिंह लाखा समाज सेवा, पंथिक कार्यों और सिख संस्थाओं की उन्नति के लिए इसी तरह निःस्वार्थ सेवा करते रहें और उन्हें हर क्षेत्र में लगातार सफलताएँ प्राप्त हों।

उद्घाटन — पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने रखी आधारशिला

चंडीगढ़ के प्रशासक ने बलटाना में रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आज पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया का स्वागत किया तथा बलटाना स्थित अंबालाझचंडीगढ़ रेलखंड की लेवल क्रॉसिंग संख्या 123 पर रोड अंडर ब्रिज के शिलान्यास समारोह में भाग लेने हेतु उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि भारतीय रेल देश की विविधता में एकता की भावना को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। देश के विभिन्न राज्यों के लोग रेल के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों तक यात्रा करते हैं, जिससे अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैली से परिचित होने का अवसर मिलता है। रेल यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विविधता को अनुभव करने का सशक्त जरिया भी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेल देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। विभिन्न राज्यों के खान-पान, वेशभूषा, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विरासत को जानने और समझने में रेलवे एक सेतु के रूप में कार्य करती है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भारतीय रेल का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह देश का सबसे बड़ा जनसंपर्क एवं सामाजिक एकीकरण का नेटवर्क बनकर राष्ट्रीय एकता को और मजबूत कर रही है।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री बिट्टू ने कहा कि राजस्थान जैसे विशाल राज्य से आने वाले राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया रेल परिवहन के महत्व को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है और वहाँ का रेलवे नेटवर्क अत्यंत व्यापक है। राज्यपाल महोदय अच्छी तरह जानते हैं कि रेलवे संपर्क किस प्रकार लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है और क्षेत्रीय विकास को गति देता है। मैं इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए समय निकालने और सहयोग देने हेतु उनका हृदय से धन्यवाद करता हूँ। रोड अंडर ब्रिज परियोजना का विवरण देते हुए श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि लेवल क्रॉसिंग संख्या 123 पर यह परियोजना 12,80,36,866 (बारह करोड़ अस्सी लाख छत्तीस हजार आठ सौ छियासठ रुपये मात्र) की लागत से निर्मित की जा रही है। यह परियोजना भारतीय रेल और चंडीगढ़ प्रशासन के बीच 50:50 लागत साझेदारी के आधार पर बनाई जा रही है।

बलटाना लेवल क्रॉसिंग पर वर्तमान में 9 लाख से अधिक ट्रैफिक व्हीकल यूनिट्स का आवागमन होता है, जिससे यह क्षेत्र की सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण रेलवे क्रॉसिंगों में से एक है। परियोजना पूर्ण होने के बाद बलटाना तथा आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। श्री बिट्टू ने भारतीय रेल द्वारा लेवल क्रॉसिंग समाप्त करने की नीति में किए गए एक महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी भी दी। अब भारतीय रेल ने अधिक जनहितकारी नीति अपनाई है। यदि तकनीकी और परिचालन दृष्टि से संभव हो, तो रेलवे ओवर ब्रिज बनने के बाद भी लेवल क्रॉसिंग को चालू रखा जा सकता है। इससे स्थानीय लोगों की आजीविका सुरक्षित रहेगी और आम जनता की सुविधा बनी रहेगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि जिन स्थानों पर पारंपरिक ढांचे के निर्माण हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, वहाँ भारतीय रेल अत्याधुनिक मशीनरी और आधुनिक निर्माण तकनीक की सहायता से लो हाइट सबवे का निर्माण करेगी।

श्री बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल जनसुविधा, सुरक्षा और समावेशी विकास को केंद्र में रखकर आधारभूत संरचना का तीव्र विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विकास की हर परियोजना आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाए और उनकी आजीविका पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अंत में श्री बिट्टू ने पंजाब और चंडीगढ़ क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा सुरक्षित, आधुनिक और भविष्य उन्मुख परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई।